दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Asli Azadi Dainik @AsliAzadiDainik | asliazadidainikofficial

असली आज़ादी

The Voice of Union Territory Dadra and Nagar Haveli and Daman-Diu Since 2005

www.asliazadi.com

■ वर्ष: 21, अंक: 19 ■ दमण, सोमवार 06 अक्टूबर 2025, ■ पृष्ठ: 8 ■ मूल्य: 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ दमण ने दिलीपनगर ग्राउंड पर विजयादशमी उत्सव और शस्त्र पूजन का किया आयोजन

■ दिलीपनगर ग्राउंड से शाम 4 बजे निकला पथ संचलनः राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ वलसाड जिला सह कार्यवाह भरत गाला ने दिया मार्गदर्शन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 05 अक्टूबर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ दमण द्वारा 5 अक्टूबर 2025 को दिलीपनगर ग्राउंड पर विजयादशमी उत्सव और शस्त्र पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शाम 4 बजे से पथ संचलन हुआ। दिलीपनगर ग्राउंड से पथ संचलन निकलकर तीन बत्ती, चार रास्ता और पोस्ट ऑफिस होते हुए वापस दिलीपनगर ग्राउंड पर पहुंचकर संपन्न हुआ। जिसमें कुल 215 स्वयंसेवक और 21 घोष वादकों ने पूर्ण गणवेश में भाग लिया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता भरतभाई गाला, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ वलसाड जिला सह कार्यवाह का मार्गदर्शन रहा। उन्होंने कहा कि संघ के पंच परिवर्तन, कुटुंब प्रबोधन, सामाजिक समरसता, पर्यावरण, स्वदेशी और नागरिक कर्तव्य के माध्यम से समाज को सुसंगठित कर राष्ट्र निर्माण हो रहा है और विश्व में भारत की भूमिका काफी बढ़ी है। इस कार्यक्रम में दमण तालुका से पूर्ण गणवेश में 245 स्वयंसेवकों की उपस्थित रही। कार्यक्रम की शुरुआत ध्वजारोहण और प्रार्थना से हुई। शारीरिक प्रत्यक्षिक, अमृतवचन, सुभाषित, गीत के बाद शस्त्र पूजन के साथ कार्यक्रम पूर्ण हुआ। कार्यक्रम में नागरिकों, माताओं, बहनों एवं बच्चों के साथ कुल 300 से अधिक लोगों की उपस्थिति रही।

दानह में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का विजयादशमी उत्सव संपन्न

सिलवासा की सड़कों पर आरएसएस के पथ संचलन में स्वयंसेवकों पर हुई फूलों की बरसात

■ मुख्य वक्ता तेज सिंह भदौरिया ने राष्ट्र निर्माण के लिए व्यक्ति निर्माण पर कर्मठ प्रयास करने का किया आह्वान

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 05 अक्टूबर। दादरा नगर हवेली के सिलवासा की सड़कों पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष में विजयादशमी के अवसर पर और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने पर सहस्त्र शताब्दी वर्ष मनाया गया। जिसमें पथ संचलन कार्यक्रम विशेष रूप से आयोजित किया गया। इस बार सिलवासा के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ संचालन कार्यक्रम में हजारों की संख्या में लोगों ने भाग लिया। यह संघ शताब्दी वर्ष-राष्ट्र का उज्जवल भविष्य बनाने का संकल्प वर्ष रहा। इस कार्यक्रम में रविवार की दोपहर 3.30 बजे गायत्री मंदिर मैदान, छत्रपति शिवाजी महाराज चौक आमली सिलवासा से पथ संचलन की शुरूआत की गई, जो सिलवासा पुलिस स्टेशन - झंडाचौक- किलवणी नाका- नमो हॉस्पिटल - शहीद चौक होते हुए स्वामीनारायण मंदिर के सामने स्थित हवेली ग्राउंड पर यह पथ संचलन समाप्त हुआ। इसके पश्चात स्वयंसेवकों द्वारा प्रार्थना गीत और अन्य कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस कार्यक्रम में भारी संख्या में शहर के प्रबुद्ध लोगों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि के रूप में अजीत खोडभाया, विशिष्ट अतिथि के रूप में भवर राजपुरोहित और मुख्य वक्ता के रूप में तेज सिंह भदौरिया ने लोगों को संबोधित किया। आज के 100 वर्ष पूर्व नागपुर में डॉ. हेडगेवार द्वारा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के उद्देश्यों की भी जानकारी दी। इस कार्यक्रम में सांसद कला डेलकर, सिलवासा नगरपालिका प्रमुख रजनी शेट्टी और पूर्व सांसद नटू पटेल सहित अन्य लोगों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के अलावा प्रदेश के गणमान्य और बड़ी संख्या में ग्रामजन उपस्थित रहे। इस कार्यकम को शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए दादरा नगर हवेली पुलिस और विशेष तौर पर यातायात विभाग के साथ प्रशासन का सहयोग रहा।

वैदिक डेंटल कॉलेज एंड रिसर्च सेंटर में ग्रेजुएशन सेरेमनी का हुआ आयोजन

■ मुख्य अतिथि संघ प्रदेश श्रीडी भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया, अतिथि विशेष वैदिक डेंटल कॉलेज एंड रिसर्च सेंटर के चेयरमैन पद्मश्री डॉ. एस. एस. वैश्य, डीएमसी प्रेसिडेंट अस्पी दमणिया, कॉलेज के डीन डॉ. सिन्हा ने उपस्थित रहकर 2020-2025 बैच के पासआउट छात्रों को प्रमाण पत्र प्रदान कर दी शुभकामनाएं

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 05 अक्टूबर। दमण के दलवाडा स्थित वैदिक डेंटल कॉलेज एंड रिसर्च सेंटर ने एजुकेशन सेरेमनी का आयोजन किया गया था। इस दौरान वैदिक डेंटल कॉलेज एंड रिसर्च सेंटर के 2020-2025 बैच के पासआउट छात्रों को डिग्री प्रदान की गई। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव के भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया ने पासआउट छात्रों को उज्वल भविष्य की कामना के साथ शुभकामनाएं दी। इसके साथ ही उन्होंने नये डेंटिस्ट की डिग्री हासिल करने वाले सभी छात्रों को पूरी निष्ठा और लगन के साथ सेवा देने के लिए प्रोत्साहित भी किया। इस मौके पर वैदिक डेंटल कॉलेज एंड रिसर्च सेंटर के चेयरमैन पद्मश्री डॉ. एस. एस. वैश्य, डीएमसी प्रेसिडेंट अस्पी दमणिया, कॉलेज के डीन डॉ. सिन्हा ने भी छात्रों को उज्वल भविष्य की बधाई दी। इस अवसर पर बडी संख्या में वैदिक डेंटल कॉलेज एंड रिसर्च सेंटर के प्रोफेसर एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

डीडीए के नवरात्रि महोत्सव में बेहतरीन प्रस्तुति देने वाले खेलैयाओं को किया गया पुरस्कृत

■ डीडीए चेयरमैन लखम टंडेल और उनकी टीम तथा डीएमएम ने गरबा क्वीन, गरबा किंग, बेस्ट मेल डांसर, बेस्ट फिमेल डांसर, बेस्ट ट्रेडिशनल फिमेल डांसर को पुरस्कार देकर किया प्रोत्साहित

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 05 अक्टूबर। डीडीए द्वारा दिलीपनगर ग्राउंड पर आयोजित नवरात्रि महोत्सव 2025 का भव्य समापन हो गया। डीडीए के नवरात्रि महोत्सव में बडी संख्या में गरबा खेलैयाओं ने शामिल होकर गरबा खेलने का आनंद लिया। गरबा खेलैयाओं को प्रोत्साहित करने के लिए डीडीए की ओर से बेहतरीन प्रस्तुति देने वाले खेलैयाओं को पुरस्कृत किया गया। नवरात्रि महोत्सव को समापन अवसर पर डीडीए चेयरमैन लखम टंडेल और उनकी टीम तथा दिलीपनगर महिला मंडल की टीम ने पूरे नवरात्रि के दौरान बेहतरीन गरबा का प्रदर्शन और पोषाक के लिए गरबा क्वीन, गरबा किंग, बेस्ट मेल डांसर, बेस्ट फिमेल डांसर, बेस्ट ट्रेडिशनल फिमेल डांसर को पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया। नवरात्रि महोत्सव के सफल बनाने के लिए डीडीए की पूरी टीम ने अपना पूरा सहयोग और योगदान दिया।

पहलगाम हमले में चीन ने की पाक की मदद, सैटेलाइट इमेज कराई उपलब्ध

–चीनी मामलों के जानकार प्रोफेसर श्रीकांत कोंडापल्ली ने लगाए आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्या पहलगाम में हुए आतंकी हमले में भी आतंकियों की चीन ने मदद की थी। चीन मामलों के जानकार प्रोफेसर श्रीकांत कोंडापल्ली ने आरोप लगाया है कि पहलगाम आतंकी हमले में एक आतंकी के पास हुआवे का फोन था, जिसमें चीनी सैटेलाइट कनेक्शन मौजूद था। हमले के बाद उसी फोन से पाकिस्तान को संदेश भेजा गया था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रोफेसर कोंडापल्ली ने कहा कि पहलगाम में जब हमला हुआ, तब एक आतंकी के पास हुवावे का फोन मिला, जिसमें चीनी सैटेलाइट कनेक्शन था। उसने हमले के बाद पाकिस्तान को मैसेज भेजा था। यह साफ तौर पर चीन की भूमिका दिखाता है। हमले से पहले चीन ने पाकिस्तान को पहलगाम की 120-129 स्लाइड्स वाली सैटेलाइट इमेज भी उपलब्ध कराई थीं।

आतंकवाद के खिलाफ भारत और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ प्रतिबद्धता जताने के बावजूद चीन पाकिस्तान की मदद कर रहा था।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की चर्चाओं से द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) का नाम हटवाने की कोशिश की, जिसने शुरू में हमले की जिम्मेदारी ली थी। कोंडापल्ली ने कहा कि चीनी राजदूत और पाकिस्तानी राजदूत ने यूएनएससी चर्चाओं में टीआरएफ का नाम हटवा दिया। पहले दो बार की जिम्मेदारी टीआरएफ के रोल को साबित करती है। तियानजिन एससीओ घोषणा पत्र में पहलगाम का जिक्र था, लेकिन इसे पाकिस्तानी दबाव में कमजोर कर दिया गया। इससे साफ होता है कि आतंकवाद के मुद्दे पर भारत अपने पड़ोसी देश चीन पर भरोसा नहीं कर सकता।

कोंडापल्ली ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी चीन पर पाकिस्तान का समर्थन करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि चीन ने ऑपरेशन सिंदूर के वक्त पाकिस्तान वायुसेना को सूचनाएं दीं। उन्हें जेएफ-17, जे-10 लड़ाकू विमान, एचक्यू-9 सरफेस-टू-एयर मिसाइल बैटरियां जैसे हथियार मुहैया कराए। यह बेहद आक्रामक रुख है। पहलगाम हमले के बाद चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने निष्पक्ष जांच की बात कही, जबकि चीन खुद कभी भी शिनजियांग के उइगर विद्रोह या कोविड-19 महामारी के समय डब्ल्यूएचओ टीम को जांच की अनुमति नहीं देता।

कोंडापल्ली ने कहा कि भारत को अब कार्रवाई करनी होगी, जांच नहीं, क्योंकि कई आतंकी घटनाओं का सुराग पाकिस्तान के क्रॉस-बॉर्डर आतंकवाद से जुड़ता रहा है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन ने पाकिस्तान का साथ दिया। एक पाकिस्तानी ब्रिगेडियर ने चीन के वेस्टर्न थिएटर कमांड से रावलपिंडी के लिए समन्वय किया। इसलिए भारत को चीन पर भरोसा करने से पहले ठोस सबूतों की जरूरत है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने साईं समाधि के दर्शन किए

शिरडी (एजेंसी)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शिरडी में साईं बाबा समाधि मंदिर जाकर साईं बाबा के दर्शन किए। इसके बाद, उन्होंने गुरुस्थान के दर्शन किए। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने भी साईं बाबा समाधि के दर्शन किए। उनके साथ जल संसाधन मंत्री (गोदावरी एवं कृष्णा बेसिन विकास निगम) एवं पालक मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल, राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले, जल संसाधन मंत्री (विदर्भ, तापी एवं कोंकण सिंचाई विकास निगम) गिरीश महाजन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री पंकजा मुंडे, ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज मंत्री जयकुमार गोरे भी उपस्थित थे। साईं बाबा संस्थान की ओर से केंद्रीय मंत्री शाह का अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर जिला कलेक्टर डॉ. पंकज आसिया, जिला पुलिस अधीक्षक सोमनाथ घार्गे, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी आनंद भंडारी और साईंबाबा संस्थान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गोरक्ष गाडिलकर उपस्थित थे।

यूपी में अलग-अलग घटना में बारिश और बिजली गिरने से दो की मौत, तीन बच्चे बुरी तरह झुलसे

लखनऊ (एजेंसी)। बलिया जिले में तेज बारिश के कारण पेड़ गिरने से एक महिला की मौत हो गई। वहीं देवरिया में भी आकाशीय बिजली की चपेट में आने से तीन बच्चे झुलस गए। कुशीनगर जिले में आंधी-बारिश में पेड़ गिरने से दबकर नौवीं कक्षा के छात्र की मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट में पुलिस के हवाले से बातया गया है बलिया जिले के बांसडीह थाना क्षेत्र के आकोली गांव में शनिवार को तेज बारिश के कारण पेड़ गिरने से दबकर फूल कुमारी (50) की मौत हो गई। पेड़ महिला के घर के पास लगा था। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकाला। पुलिस के मुताबिक देवरिया जिले के भाटपाररानी थाना क्षेत्र के खरहरी गांव में शनिवार सुबह करीब 10 बजे आकाशीय बिजली की चपेट में आने से तीन बच्चे बुरी तरह झुलस गए। प्रशासन के मुताबिक शनिवार सुबह गरज के साथ हो रही बारिश में आकाशीय बिजली गिर गई और बच्चे उसकी चपेट में आकर घायल हो गए। घायल बच्चों की पहचान नेहा (13), स्नेहा (10) व शुभम (9) के रूप में हुई। स्थिति गंभीर देख चिकित्सकों ने उन्हें रेफर कर दिया, जहां उनका उपचार जारी है। पुलिस के मुताबिक कुशीनगर जिले के तमकुही राज थाना क्षेत्र में तेज आंधी और बारिश के कारण पेड़ गिरने से नौवीं कक्षा में पढ़ने वाले एक किशोर की मौत हो गई। तमकुही राज के थाना प्रभारी ने बताया कि टोला मटिया में राजेश यादव अपने पुत्र आयुष (15) के साथ दोपहर अपने खेत में गिरे एक पेड़ को काट रहे थे। तभी पास में खड़ा एक और पेड़ आयुष के ऊपर गिर गया, जिससे आयुष की उसके नीचे दबकर मौत हो गई। उन्होंने बताया कि इस घटना में मनु यादव, पुष्पा देवी और निशा भी घायल हुई हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्मी कराया गया।

पुलिस और देवी-देवताओं के लिए अपशब्द कहने वाला आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली में एक व्यक्ति को सोशल मीडिया पर हिंदू देवी-देवताओं और पुलिसकर्मियों के बारे में अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। वसंत कुंज (दक्षिण) थाने में व्यक्ति के बारे में पीसीआर को फोन आया और बाद में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस उपायुक्त (दक्षिण-पश्चिम) ने कहा कि पुलिस टीम तुरंत छतरपुर मेट्रो स्टेशन के पास रूबी नर्सरी के पास पहुंची। इलाके में शिकायतकर्ता विहिप के कई सदस्य मौजूद थे। उन्होंने पुलिस को सोशल मीडिया पर प्रसारित एक वीडियो दिखाया जिसमें आलम को हिंदू देवी-देवताओं और पुलिस अधिकारियों के खिलाफ आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल करते हुए दिखा गया। पुलिस ने बताया कि शिकायत के बाद वसंत कुंज (दक्षिण) थाने में विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। मामला दर्ज किए जाने के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

उत्तराखंड में पेपर लीक कांड के बाद अब टोकन मनी की अफवाह

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में पेपर लीक कांड के बाद अब प्रदेश में टोकन मनी की अफवाह है। शिक्षा विभाग ने सोशल मीडिया में इस तरह की अफवाह फैलाने वालों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि ऐसा कर विभाग की छवि को धूमिल किया जा रहा है। मामला प्रधानाचार्य भर्ती और शिक्षक तबादलों में 'टोकन मनी' की अफवाह से जुड़ा है। विभाग ने प्रधानाचार्य सीधी भर्ती, शिक्षक भर्ती और स्थानांतरण को लेकर स्थिति स्पष्ट की है। माध्यमिक शिक्षा निदेशक डॉ. मुकुल कुमार सती ने सोशल मीडिया पर वायरल टोकन मनी की खबरों को दुष्प्रचार बताया है। विभाग ने साफ कर दिया है कि कुछ असामाजिक तत्व केवल विभाग की छवि धूमिल करने के लिए ऐसी भ्रामक सूचनाएं फैला रहे हैं। सोशल मीडिया पर पिछले कुछ समय से प्रधानाचार्य भर्ती में टोकन मनी या पैसे के लेन-देन को लेकर लगातार पोस्टें की जा रही हैं। डॉ. सती ने कहा कि प्रधानाचार्य सीधी भर्ती के तहत 692 पद उत्तराखंड लोक सेवा आयोग से भरे जाने हैं। आयोग ने अभी सिर्फ परीक्षा की तिथि तय की है। आयोग पारदर्शी, निष्पक्ष और न्यायपूर्ण तरीके विश्वसनीय परीक्षा प्रणाली के लिए जाना जाता है। परीक्षा आयोजित होने से पहले ही लेन-देन की अफवाहें फैला कर प्रक्रिया को बाधित करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने शिक्षकों का स्थानांतरण को लेकर हाईकोर्ट के आदेशों का हवाला देते हुए कहा कि मौजूदा सत्र में कोई स्थानांतरण आदेश जारी नहीं किए गए हैं।

कफ सिरप मामला : देश के कई राज्यों में ताबड़तोड़ छापे, पांच यूनिट्स पर एक्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। कफ सिरफ से हुई बच्चों की मौत के मामले में जांच हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, गुजरात, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में चल रही हैं, जहां से कुल 19 दवाओं (जिनमें खांसी की दवाएं, एंटीबायोटिक्स और बुखार की दवाएं शामिल हैं) के सैंपल लिए गए। शुक्रवार से शुरू हुई इस जांच का उद्देश्य दवा निर्माण प्रक्रिया में संभावित खामियों की पहचान करना और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के उपाय सुझाना है। मध्य प्रदेश और राजस्थान में कथित रूप से जहरीले कफ सिरप से बच्चों की मौत के बाद केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन यानी सीडीएससीओ ने छह राज्यों में दवा निर्माण इकाइयों की रिस्क-बेस्ड (जोखिम-आधारित) जांच शुरू कर दी है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि आईसीएमआर, नीरी, एम्स नागपुर और सीडीएससीओ के विशेषज्ञों की एक टीम बच्चों की मौत के कारणों की वैज्ञानिक जांच कर रही है। मंत्रालय ने बताया कि सीडीएससीओ द्वारा जांचे गए छह नमूने और मध्य प्रदेश फूड एंड ड्रग्स एडमिनिस्ट्रेशन द्वारा जांचे गए तीन नमूनों में डायइथिलीन ग्लाइकॉल और इथिलीन ग्लाइकॉल जैसे घातक रासायनिक तत्व नहीं पाए गए। तमिलनाडु के कांचीपुरम स्थित निर्माण इकाई से लिए गए कोल्ड्रिफ कफ सिरप के सैंपलों की जांच में डीईजी की मात्रा अनुमेय सीमा से अधिक पाई गई।

मोहन भागवत ने पीओके को 'भारत के घर का कमरा' बताया, बोले- इसे वापस लेना होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आरएसएस के प्रमुख मोहन भागवत ने पीओके को भारत का अभिन्न अंग बताते हुए इसे 'भारत नाम के एक घर का एक कमरा' कहा, जिसमें 'अजनबी लोग घुस आए हैं।' समाचार एजेंसी के अनुसार, मध्य प्रदेश के सतना में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि इस 'कमरे को वापस लेना होगा।'

आरएसएस प्रमुख ने अपनी बात को एक दृष्टांत से समझाया। उन्होंने कहा, 'पूरा भारत एक घर है, लेकिन किसी ने हमारे घर का एक कमरा हटा दिया है जहां मेरी मेज, कुर्सी और कपड़े रखे रहते थे। उन्होंने उस पर कब्जा कर लिया है। कल, मुझे उसे वापस लेना होगा।' इस बयान पर दर्शकों ने जोरदार तालियां बजाईं।भागवत ने अविभाजित भारत के विचार पर भी बल दिया। उन्होंने सभा में मौजूद सिंधी समुदाय के लोगों की ओर इशारा करते हुए कहा, 'कई सिंधी भाई यहां बैठे हैं। मैं बहुत खुश हूं। वे पाकिस्तान नहीं गए; वे अविभाजित भारत गए। परिस्थितियों ने हमें उस घर से यहां भेजा है क्योंकि वह घर और यह घर अलग नहीं हैं।'

पीओके में पाकिस्तानी शासन के खिलाफ उग्र विरोध, 10 की मौत

आरएसएस प्रमुख की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब पीओके में स्थानीय लोग पाकिस्तानी शासन के खिलाफ व्यापक विद्रोह कर रहे हैं। आर्थिक राहत और राजनीतिक सुधारों की मांग को लेकर हजारों निवासी अवामी एक्शन कमेटी (एएसी) के बैनर तले विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

स्वामी चैतन्यानंद लड़कियों की प्रोफाइल खोजकर करता था कमेंट्स

–चैट में दुबई के शख्स को लड़की की व्यवस्था करने की भी चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली,(ईएमएस)। स्वामी चैतन्यानंद मामले में रोज नए-नए खुलासे हो रहे हैं अब जानकारी मिली है कि बाबा अपने सोशल मीडिया अकाउंट से लड़कियों के फोटो पर कमेंट करता था। पुलिस को उनके डिजिटल उपकरणों से ऐसे चैट मिले हैं जिनमें छात्राओं से अश्लील बातचीत, निजी तस्वीरें मांगना और आपत्तिजनक संदेश शामिल हैं। एक चैट में तो दुबई के एक शख्स के लिए लड़की की व्यवस्था करने की चर्चा तक दर्ज मिली है।

स्वामी लड़कियों के प्रोफाइल को खोज-खोजकर स्क्रॉल करता था। भगवा वस्त्र धारणकर और आस्था का चोला ओढ़े इस स्वामी चैतन्यानंद का असली चेहरा अब सामने आ चुका है। कैमरे, ब्लैकमेलिंग और छात्राओं के यौन शोषण में उसकी गहरी संलिप्तता पुलिस की जांच में उजागर हुई है। धीरे-धीरे स्वामी की पोल खुल रही है।

पुलिस की जांच में स्वामी चैतन्यानंद के मोबाइल से मिले चैट्स सबसे बड़ा सबूत हैं। वह छात्राओं से लगातार मैसेज कर उनसे नजदीकियां बढ़ाने की कोशिश करता था। सभी चैट्स अब पुलिस के पास ठोस सबूत के तौर पर मौजूद हैं। दिल्ली की कोर्ट में हुई सुनवाई में स्वामी चैतन्यानंद को 17 अक्टूबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। सुनवाई के दौरान स्वामी चैतन्यानंद के वकील ने सवाल उठाया था कि आखिर किन धाराओं के तहत न्यायिक हिरासत की मांग की जा रही है। इस पर कोर्ट ने जांच अधिकारी से साफ कहा कि क्या धारा 232 जोड़ी गई है। जांच अधिकारी ने बताया कि शिकायतकर्ता की दूसरी एफआईआर के बाद यह धारा केस में जोड़ी गई।

चैतन्यानंद के वकील ने कोर्ट से आग्रह किया कि उन्हें नियमित दवाइयां उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने यह भी कहा कि चैतन्यानंद सनातनी सन्यासी जीवन जीते हैं, इसलिए उन्हें सात्विक भोजन मिले जिसमें लहसुन और प्याज न हो। इसके अलावा, सनातनी धार्मिक वस्त्र पहनने और अपने साथ आध्यात्मिक सामान रखने की अनुमति भी मांगी गई है। केस डायरी पर हस्ताक्षर करवाने की भी मांग की गई, यह कहते हुए कि उनके खिलाफ साजिश रची जा रही है। कोर्ट ने इस पर कहा कि यह प्रक्रिया का सामान्य हिस्सा है और इसमें अलग आदेश की जरुरत नहीं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस जांच में सामने आया है कि संस्था से जुड़े कई छात्रों ने आरोप लगाया कि उनसे जबरन मोबाइल फोन और शैक्षणिक दस्तावेज लिए गए और विरोध करने पर निष्कासन की धमकी दी गई। पुलिस का कहना है कि स्वामी चैतन्यानंद ने

पूछताछ के दौरान न तो किसी तरह का पछतावा जताया और न ही सहयोगी रवैया अपनाया। इसके साथ ही संस्था की तीन महिला कर्मचारियों को भी गिरफ्तार किया गया है, जिन पर छात्रों पर दबाव बनाने और स्वामी चैतन्यानंद की मदद करने का आरोप है। जांच में यह भी सामने आया है कि स्वामी चैतन्यानंद ने आर्थिक रूप से कमजोर छात्राओं को नौकरी का झांसा देकर अपने जाल में फंसाने की कोशिश की। उन पर यौन संबंध बनाने के लिए दबाव डालने के गंभीर आरोप हैं।

8 अक्टूबर को प्रधानमंत्री करेंगे नवी मुंबई हवाई अड्डे का उद्घाटन

नवी मुंबई (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 8 अक्टूबर को नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन करेंगे। यह मुंबई महानगरीय क्षेत्र का दूसरा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा होगा, जिससे मुंबई के बढ़ते हवाई यातायात पर दबाव कम होने की उम्मीद है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना में अडानी समूह की 74 प्रतिशत हिस्सेदारी है और महाराष्ट्र सरकार के सिडको की 26 प्रतिशत हिस्सेदारी है। हवाई अड्डे के पहले चरण की लागत लगभग 19,647 करोड़ रुपये है, जबकि पूरी परियोजना का बजट लगभग 1 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है। नए हवाई अड्डे को 30 सितंबर को नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) से उड़ान लाइसेंस प्राप्त हुआ और दिसंबर 2025 से वाणिज्यिक उड़ानें शुरू होंगी। घरेलू एयरलाइंस एयर इंडिया, इंडिगो और अकासा एयर ने घोषणा की है कि वे अपनी कुछ सेवाएँ नए हवाई अड्डे पर स्थानांतरित करेंगी। एनएमआई कोड और विश्व स्तरीय सुविधा

अंतर्राष्ट्रीय वायु परिवहन संघ (आईएटीए) ने हवाई अड्डे को एनएमआई कोड दिया है। 1160 हेक्टेयर क्षेत्र में फैले इस हवाई अड्डे का निर्माण 4 टर्मिनलों के साथ चरणों में किया जा रहा है। पूरी तरह से चालू होने के बाद, यह हब सालाना 9 करोड़ यात्रियों और 32.5 लाख टन कार्गो को संभालने में सक्षम होगा, जिससे यह एशिया के सबसे बड़े हवाई अड्डों में से एक बन जाएगा। वर्तमान में, पहला टर्मिनल पूरा हो चुका है और इसकी क्षमता 2 करोड़ यात्रियों और 8 लाख टन कार्गो की है। इसके लिए एक अलग रनवे भी बनाया गया है। पूर्ण मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी के साथ, यह भारत का पहला हवाई अड्डा होगा जो एक्सप्रेसवे, राजमार्ग, मेट्रो, उपनगरीय रेलवे और जल टैक्सियों जैसी परिवहन प्रणालियों से जुड़ा होगा। स्वचालित यात्री आवाजाही प्रणाली यात्रियों को सभी टर्मिनलों के बीच आसानी से आने-जाने की अनुमति देगी। यह एक ग्रीन हवाई अड्डा भी होगा, क्योंकि इसमें स्थायी विमानन ईंधन भंडारण सुविधाएं भी होंगी।

मैदानी इलाकों में बारिश और पहाड़ों में होगी बर्फबारी, वैष्णो देवी और मचैल यात्रा स्थगित

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर के मौसम को देखते हुए प्रशासन ने कई तरह के फैसले लिए है। सबसे पहले आज से 7 अक्टूबर तक माता वैष्णों देवी और मचैल की यात्रा रोक पर लगा दी है। वहीं किसानों और ग्रामीणों के लिए भी एडवाइजरी जारी की गई। इसकी वजह ये है कि राज्य के मैदानी इलाकों में बारिश और पहाड़ों पर बर्फबारी की संभावना है। भूस्खलन और चट्टानों के धसकने की आशंका को लेकर जरुरी कदम उठाए जा रहे हैं, ताकि किसी भी तरह के नुकसान से बचाया जा सके।

मौसम विभाग ने किसानों को सात अक्तूबर तक सभी कृषि कार्य स्थगित करने की सलाह दी है। मौसम का यह असर सात अक्तूबर तक रहेगा। इस दौरान छह अक्तूबर को सबसे ज्यादा बारिश होगी। मौसम विभाग की चेतावनी के बाद जिलास्तर पर प्रशासनिक अधिकारियों ने विभागों को सतर्क रहने की सलाह दी है। एहतियात के तौर पर माता वैष्णो देवी यात्रा को रोका गया है। मचैल यात्रा भी स्थगित की गई है। मौसम विभाग ने संवेदनशील इलाकों में पहाड़ी से पत्थर गिरने या

भूस्खलन होने की आशंका जताई है। इसके अलावा कश्मीर डिवीजन, चिनाब घाटी और पीरपंजाल में बर्फबारी होने की संभावना बनी हुई है। मैदानी इलाकों में गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना रहेगी। मौसम में बदलाव का असर प्रदेश में तापमान पर पड़ा है। न्यूनतम तापमान में दो डिग्री सेल्सियस तक का अंतर आया है। प्रदेश में गुलमर्ग में सबसे कम 14.4 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज हुआ है। मौसम विज्ञान विभाग ने इन इलाकों में आगामी दिनों में बर्फबारी की संभावना बनी हुई है।

वैष्णो देवी यात्रा आज से 7 अक्तूबर तक अस्थायी रूप से स्थगित करने का निर्णय लिया गया है। श्राइन बोर्ड के सीईओ सचिन कुमार वैश्य ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल के माध्यम से इस बारे में जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि मौसम विभाग की ओर से भारी बारिश और भूस्खलन की आशंका जताई गई है। ऐसे में श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते हुए यह कदम उठाया गया है।

हाल के दिनों में कटड़ा से भवन तक जाने वाले रास्तों पर कई जगह चट्टानें खिसकने और पानी भरने जैसी घटनाएं सामने आई थीं, जिससे श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पड़ा। इसी को ध्यान में रखते हुए यात्रा रोकने का फैसला लिया गया है। श्राइन बोर्ड ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे इस अवधि में यात्रा की योजना न बनाएं और मौसम सामान्य होने के बाद ही दर्शन के लिए आएं। मौसम की बेरुखी को देखते हुए प्रशासन ने किश्तवाड़ जिले में मचैल माता की तीर्थयात्रा पांच अक्तूबर से तीन के लिए स्थगित कर दी है। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) जम्मू-कश्मीर, खासकर जम्मू संभाग में भारी बारिश और भूस्खलन का की संभावना है।

दार्जिलिंग में आई विनाशकारी बाढ़ और भूस्खलन पर सीएम ममता ने जताई चिंता

पर्यटक चिंता न करें जहां हैं वहीं रहें, हमारी पुलिस उन्हें सुरक्षित निकाल लाएगी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने रविवार को दार्जिलिंग में आई विनाशकारी बाढ़ और भूस्खलन पर चिंता जताई है। इस हादसे में कम से कम 17 लोगों की मौत हो गई। बनर्जी ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि मैं इस बात से बेहद चिंतित हूं कि कुछ ही घंटों में अचानक हुई भारी बारिश और बाहर से हमारे राज्य में नदी के पानी के अत्यधिक प्रवाह से उत्तर बंगाल और दक्षिण बंगाल के कई इलाके बाढ़ की चपेट में आ गए। उन्होंने पर्यटकों को सलाह दी कि जब तक उन्हें सुरक्षित निकाल नहीं लिया जाता है, तब तक वे जहां पर हैं, वहीं रहें।

सीएम ने कहा कि रात उत्तर बंगाल में 12 घंटों में अचानक 300 मिमी से ज्यादा बारिश हुई और साथ ही संकोश नदी में पानी का अत्यधिक प्रवाह हुआ और साथ ही भूटान और सिक्किम से नदी

का पानी भी बह गया। इससे आपदाएं हुईं। उन्होंने कहा कि हमें यह जानकर सदमा और दुःख हुआ कि भारी बारिश और नदियों में आई बाढ़ के कारण हमने अपने कुछ भाई-बहनों को खो दिया है। मैं मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करती हूं। वहीं दो लोहे के पुल ढह गए हैं, कई सड़कें क्षतिग्रस्त हो गई हैं।

ममता बनर्जी ने कहा कि मैं स्थिति पर नजर रख रही हूं। सीएम ने मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक, उत्तर बंगाल के जिलों और पुलिस अधीक्षकों के साथ वर्चुअल बैठक की। इस बीच हम उत्तर बंगाल में पर्यटकों को सलाह दे रहे हैं कि जब तक हमारी पुलिस उन्हें सुरक्षित बाहर नहीं निकाल लेती, तब तक वे जहां हैं, वहीं रुकें। बचाव का खर्च हमारा है और पर्यटकों को चिंता करने की जरूरत नहीं है।

दो साल से कम उम्र के बच्चों को कफ सिरप न दें, आखिर केंद्र सरकार को क्यों जारी करनी पड़ी यह एडवाइजरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अक्सर ऐसा होता कि बच्चे हों या बड़े खांसी चलने या गले में खराश की शिकायत पर कफ सिरप दे दिया जाता है, लेकिन केंद्र सरकार ने एडवाइजरी जारी करते हुए दो साल से कम उम्र के बच्चों को कफ सिरप नहीं देने को कहा है। वैसे तो यह परामर्श स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय द्वारा जारी किया गया है, लेकिन इसके पीछे का कारण अहम है, जिसने ऐसा करने के लिए सरकार को मजबूर कर दिया।

दरअसल केंद्र सरकार ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को एक अहम एडवाइजरी जारी करते हुए दो साल से कम उम्र के बच्चों को खांसी और सर्दी की दवाएं, विशेष रूप से कफ सिरप नहीं देने की सलाह दी है। सरकार ने यह कदम मध्यप्रदेश में कथित रूप से दूषित कफ सिरप से बच्चों की मौतों की खबरों के बाद उठाया गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने हालांकि स्पष्ट किया है कि मध्य प्रदेश में लिए गए सभी सिरप के नमूनों की जांच में डायथिलीन ग्लाइकॉल (डीईजी) और एथिलीन ग्लाइकॉल (ईजी) जैसे हानिकारक रसायन नहीं पाए गए। ये दोनों रसायन बच्चों की किडनी को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचा सकते हैं और कई अंतरराष्ट्रीय मामलों में बच्चों की मौत का कारण बन चुके हैं।

डीजीएचएस की ओर से डॉ. सुनीता शर्मा के हस्ताक्षर से जारी परामर्श में कहा गया है कि सामान्य रूप से पाँच साल से कम उम्र के बच्चों को कफ सिरप देने की सिफारिश नहीं की जाती। छोटे बच्चों में खांसी और जुकाम के अधिकतर मामले स्वतः ही ठीक हो जाते हैं, जिनके लिए दवाइयों की जरूरत नहीं होती।

चिकित्सकों के लिए भी परामर्श

केंद्र की सलाह में यह भी कहा गया है कि डॉक्टरों को बच्चों के लिए खांसी की दवाएं बहुत सोच-समझकर और जरूरत पड़ने पर ही लिखनी चाहिए। वृद्ध लोगों में भी इन दवाओं का उपयोग चिकित्सकीय मूल्यांकन और निगरानी के बाद ही किया जाए। डीजीएचएस ने सभी राज्य स्वास्थ्य विभागों, जिला स्वास्थ्य प्राधिकरणों, सरकारी अस्पतालों, प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों को निर्देश दिया है कि इस एडवाइजरी को तुरंत लागू किया जाए और आम जनता को इसके प्रति जागरूक किया जाए।

स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी), राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान (एनआईवी) और केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) की संयुक्त टीम ने मध्यप्रदेश का दौरा किया और कफ सिरप के

नमूने जांचे। सभी नमूनों में कोई हानिकारक तत्व नहीं मिला। वहीं, राजस्थान में भी जांच के बाद यह पाया गया कि जिस सिरप से दो बच्चों की मौत की आशंका जताई गई थी, उसमें प्रोपिलीन ग्लाइकॉल जैसे रसायन नहीं थे जो आम तौर पर दूषण का स्रोत बनते हैं। केंद्र सरकार का यह कदम बच्चों की दवा सुरक्षा सुनिश्चित करने और डॉक्टरों व अभिभावकों को जिम्मेदारीपूर्वक दवा उपयोग के लिए जागरूक करने की दिशा में एक अहम पहल माना जा रहा है।

प्रॉपर्टी बेच कर निवेशकों का पैसा लौटाना चाहता है सहारा ग्रुप

सहारा इंडिया कमर्शियल कॉरपोरेशन लिमिटेड (एसआईसीसीएल) ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की

मुंबई

सहारा समूह अब अपनी कुछ बड़ी संपत्तियों को अडानी प्रॉपर्टीज को बेचकर निवेशकों का पैसा वापस करना चाहता है। इस सौदे को पूरा करने की अनुमति देने के लिए सहारा समूह ने सुप्रीम कोर्ट में आवेदन किया है।

अगर सुप्रीम कोर्ट इस सौदे को मंजूरी दे देता है तो वर्षों से हजारों निवेशकों का पैसा वापस मिलने का रास्ता खुल सकता है। सहारा समूह की कंपनी, सहारा इंडिया कमर्शियल कॉरपोरेशन लिमिटेड ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर जिन संपत्तियों को बेचने की अनुमति मांगी है उनमें महाराष्ट्र की एंबी वैली और लखनऊ का सहारा शहर भी शामिल हैं।

याचिका पर संभवतः 14 अक्टूबर को सुनवाई होगी। अधिवक्ता के माध्यम से दायर याचिका में सहारा समूह से संबंधित विभिन्न संपत्तियों को अडानी प्रॉपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड को 6 सितंबर 2025 की 'टर्म शीट' में निर्धारित नियमों एवं शर्तों पर बेचने की बात कही गई है। याचिका में कहा गया कि इस न्यायालय द्वारा समय-समय पर पारित विभिन्न आदेशों के अनुसरण और अनुमति से एसआईसीसीएल और सहारा समूह बड़ी मुश्किल से अपनी कुछ चल एवं अचल संपत्तियों को बेचने में सक्षम हुए हैं।

इन संपत्तियों को बेचने से मिलने वाली राशि को बाजार नियामक सेबी-सहारा 'रिफंड' खाते में जमा कर दिया गया है। याचिका में कहा गया है कि कुल 24,030 करोड़ रुपये की मूल राशि में से सहारा समूह ने अपनी चल एवं अचल संपत्तियों की बिक्री/परिसमापन के माध्यम से लगभग 16,000 करोड़ रुपये जुटाए हैं और उसे सेबी-सहारा 'रिफंड' खाते में जमा कर दिया है। समूह ने कोर्ट से अनुरोध किया है कि 6 सितंबर 2025 की टर्म शीट के तहत एसआईसीसीएल और अडानी प्रॉपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड के बीच हुई डील, जिसमें 88 संपत्तियों की बिक्री का प्रस्ताव है, को मंजूरी दी जाए। कंपनी ने कहा कि यह प्रस्तावित लेन-देन न केवल सहारा समूह की संपत्तियों से महत्वपूर्ण मूल्य निकालने में मदद करेगा, बल्कि कोर्ट के आदेशों के अनुसार उसकी वित्तीय देनदारियाँ पूरी करने में भी सहायक होगा।

सेंसेक्स की 10 प्रमख कंपनियों में सात का मार्केट कैप 74,573 करोड़ बढ़ा

एचडीएफसी बैंक को सबसे ज्यादा लाभ हुआ, रिलायंस का मार्केट कैप घटा

नई दिल्ली

बीते सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में सात का संयुक्त बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) 74,573.63 करोड़ रुपये बढ़ गया। इस दौरान एचडीएफसी बैंक को सबसे ज्यादा लाभ हुआ। एचडीएफसी बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फाइनेंस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को फायदा हुआ, जबकि रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल और इंफोसिस के मूल्यांकन में गिरावट आई। एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 30,106.28 करोड़ रुपये बढ़कर 14,81,889.57 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। एलआईसी का बाजार पूंजीकरण 20,587.87 करोड़ रुपये बढ़कर 5,72,507.17 करोड़ रुपये हो गया। भारतीय स्टेट बैंक का मूल्यांकन 9,276.77 करोड़ रुपये बढ़कर 8,00,340.70 करोड़ रुपये और हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्यांकन 7,859.38 करोड़ रुपये बढ़कर 5,97,806.50 करोड़ रुपये हो गया। हालांकि, रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 19,351.44 करोड़ रुपये घटकर 18,45,084.98 करोड़ रुपये रह गया। भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 12,031.45 करोड़ रुपये घटकर 10,80,891.08 करोड़ रुपये और इंफोसिस का बाजार पूंजीकरण 850.32 करोड़ रुपये घटकर 6,00,954.93 करोड़ रुपये रह गया।

देश में रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे मूल्यवान कंपनी बनी रही। इसके बाद एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फाइनेंस, इंफोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और एलआईसी का स्थान रहा।

तेल-तिलहन बाजार में भारी गिरावट, मांग कमजोर

कमजोर मांग, ऊंचे थोक भाव और खराब कारोबारी धारणा के कारण बाजार दबाव में रहा

नई दिल्ली

बीते सप्ताह भारत के तेल-तिलहन बाजार में त्योहारों के मौसम के बावजूद कीमतों में व्यापक गिरावट देखी गई। सरसों, मूंगफली, सोयाबीन, कच्चा पामतेल (सीपीओ), पामोलीन और बिनौला तेल के थोक भाव गिरावट के साथ बंद हुए।

विशेषज्ञों के अनुसार, कमजोर मांग, ऊंचे थोक भाव और खराब कारोबारी धारणा के कारण बाजार दबाव में रहा। मलेशिया एक्सचेंज में पाम तेल की कीमतें सट्टेबाजी के चलते मजबूती दिखा रही हैं, लेकिन भारत में ठंड के मौसम के कारण पाम तेल की मांग सामान्यतः घटती है, क्योंकि यह ठंड में जम जाता है। इस वजह से घरेलू बाजार में पाम और पामोलीन तेल के दाम दबाव में आए। वहीं सरसों तेल की कीमतें भी आयातित रिफाइंड तेलों की तुलना में अधिक होने से उसकी मांग कमजोर रही।

सरकार ने आयात शुल्क मूल्य में भी वृद्धि की है। सीपीओ के आयात शुल्क में 41, पामोलीन में 107 और सोयाबीन डीगम तेल में 21 रुपए प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी की गई है। इसके अलावा, आगामी रबी तिलहन फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में भी वृद्धि की गई है।

डॉलर के मुकाबले रुपये की कमजोरी के चलते आयात महंगा हुआ है, जिससे बाजार में अतिरिक्त दबाव बना। सरसों की फसल किसानों और स्टॉकिस्टों के पास होने के कारण बिकवाली तेज हुई, जिससे दामों में गिरावट आई।

बीते दो महीनों में सरसों तेल के थोक दाम लगभग 20-22 रुपए प्रति किलो तक टूट चुके हैं। हालांकि, खुदरा बाजार में इस गिरावट का कोई खास असर नहीं दिखा है, जो बाजार पारदर्शिता के लिए चिंता का विषय है। सोयाबीन, मूंगफली और बिनौला तेलों के दाम भी कमजोर मांग और निर्यात में कमी के कारण नीचे आए। इस तरह तेल-तिलहन बाजार फिलहाल अस्थिर बना हुआ है, जबकि त्योहारों के बाद मांग में सुधार की उम्मीद है।

भारतीय कार बाजार में कई नई कारें और एसयूवी देंगी दस्तक

नई दिल्ली

त्योहारी मौसम को देखते हुए अक्टूबर 2025 में कई नई कारें और एसयूवी भारतीय सड़कों पर दस्तक देने वाली हैं। इस लिस्ट में महिंद्रा, निसान, स्कोडा, सिट्रोन और मिनी जैसी ब्रांड्स शामिल हैं। महिंद्रा अपने लोकप्रिय बोलेरो और बोलेरो नियो को मॉडल ईयर अपडेट के साथ पेश करने वाली है। जानकारी के अनुसार इन एसयूवी में नई ग्रिल, नया एयर डैम, नए एलॉय व्हील्स, ब्लैक और ब्राउन इंटीरियर्स, फॉग लाइट और 10.25-इंच टचस्क्रीन जैसे फीचर्स मिलेंगे। बोलेरो के समान ही बोलेरो नियो में भी अपडेटेड फीचर्स की उम्मीद है। इसके अलावा, महिंद्रा थार 3-डोर का रिफ्रेश्ड वर्जन लॉन्च होगा। ऑफ-रोडिंग पर फोकस्ड इस एसयूवी में नए ग्रिल, डुअल-टोन बंपर, फ्रंट आर्मरेस्ट, रिवर्स पार्किंग कैमरा और अन्य कई बदलाव शामिल होंगे।

निसान की नई सी-एसयूवी अगले साल की शुरुआत में लॉन्च होगी।

यह टेरानो की उत्तराधिकारी होगी और नई पीढ़ी की रेनो डस्टर जैसी खूबियों से लैस होगी। 7 अक्टूबर को इसका अनावरण होगा, और यह मारुति ग्रैंड विटारा, किआ सेल्टोस और हुंडई क्रेटा जैसी कारों को टक्कर देगी। स्कोडा अपनी पॉपुलर ऑक्टेविया आरएस सेडान को भारत में फिर से पेश करेगी।17 अक्टूबर को कीमतों का ऐलान होगा और केवल 100 यूनिट ही देश में आयात होंगी। इसमें 2.0-लीटर, टर्बो-पेट्रोल इंजन और 7-स्पीड डीएसटी ऑटोमैटिक गियरबॉक्स मिलेगा। इसमें 2.0-लीटर टर्बो-पेट्रोल इंजन होगा, जो 300 बीएचपी और 400 एनएम टॉर्क जनरेट करेगा और 0-100 किमी/घंटा की रफ्तार 5.4 सेकंड में पकड़ लेगा। सिट्रोन एयरक्रॉस एक्स में नए फीचर्स, ऑल-एलईडी लाइटिंग, वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स और एआई वॉइस असिस्टेंट जैसी खूबियां होंगी।

भारत-यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौता वार्ता शुरू

निवेश और व्यापार में उम्मीदें बढ़ीं 'मेक इन इंडिया' की ओर झुका यूरोप

नई दिल्ली

6 अक्टूबर से ब्रसेल्स में भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की 14वीं दौर की वार्ता शुरू हो रही है। इस समझौते के जरिए दोनों पक्ष व्यापार, निवेश और रोजगार के नए अवसरों को साकार करना चाहते हैं। यूरोपीय कंपनियों ने भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और 'मेक इन इंडिया' पहल में गहरी रुचि दिखाई है। यूरोपीय बिजनेस फेडरेशन इन इंडिया (फेबी) के सर्वे के मुताबिक भारत में 6,000 से अधिक यूरोपीय कंपनियां सक्रिय हैं, जो करीब 30 लाख लोगों को रोजगार देती हैं। ये कंपनियां न केवल निवेश कर रही हैं, बल्कि भारत में निर्माण, नवाचार और निर्यात को भी बढ़ावा दे रही हैं, जो 'मेक इन इंडिया' मिशन को गति दे रहा है। यूरोपीय संघ भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। दोनों के बीच वस्तुओं का व्यापार 120 अरब यूरो तक पहुंच चुका है, जो अमेरिका और चीन से अधिक है।

सेवाओं सहित यह व्यापार 180 अरब यूरो तक पहुंच गया है। इसके बावजूद व्यापार और निवेश की बड़ी संभावनाएं बाकी हैं, जिन्हें एफटीए के माध्यम से खोला जा सकता है। वार्ता में निवेश सुरक्षा समझौते पर भी चर्चा हो रही है, जिससे निवेशकों के लिए स्थिर और पारदर्शी वातावरण सुनिश्चित होगा। साथ ही ईयू भारत रणनीतिक एजेंडा भी पेश किया गया है, जिसमें प्रौद्योगिकी, रक्षा, सतत विकास और गतिशीलता जैसी महत्वपूर्ण पहलें शामिल हैं। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस समझौते को 2025 के अंत तक पूरा करने का लक्ष्य रखा है।

अक्टूबर में दो दिन में एफपीआई ने बेची 3,842 करोड़ की इक्विटी

मुंबई अक्टूबर 2025 की शुरुआत विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के लिए मंदी भरी रही। महीने के पहले दो कारोबारी दिनों में एफपीआई ने भारतीय इक्विटी बाजार से 3,842 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की है। 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के चलते बाजार बंद रहा, जिससे अब तक केवल दो दिन ही कारोबार हो पाया है। वित्त मंत्रालय और एक्सचेंज आंकड़ों के अनुसार एफपीआई की कुल शुद्ध निकासी 1,262 करोड़ रुपये रही, जिसमें अन्य पूंजी बाजार निवेश शामिल हैं। एफपीआई द्वारा इतनी बड़ी बिकवाली से बाजार में सतर्कता बढ़ गई है। विशेषज्ञ मानते हैं कि वैश्विक ब्याज दरें, डॉलर की मजबूती और कच्चे तेल की कीमतों में तेजी जैसे कारक निवेशकों की धारणा को प्रभावित कर रहे हैं। यदि यह रुझान जारी रहा, तो निकट भविष्य में बाजार पर दबाव बढ़ सकता है।

बीएल एग्रो का पांच वर्षों में 3,000 करोड़ के निवेश का लक्ष्य

नई दिल्ली उत्तर प्रदेश स्थित बीएल एग्रो अपने कारोबार को बढ़ाने के लिए अगले पांच वर्षों में अपने राजस्व को 2.5 गुना बढ़ाकर 20,000 करोड़ रुपये प्राप्त करने का लक्ष्य हासिल करने के लिए 3,000 करोड़ रुपये का निवेश करने पर विचार कर रही है। कंपनी मुख्य रूप से खाद्य तेल और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ का विक्रय करती है। बीएल एग्रो के एक प्रमुख अधिकारी ने कहा कि कंपनी चावल और दूध जैसी विभिन्न खाद्य श्रेणियों में विस्तार योजनाओं के वित्तपोषण के लिए ये निवेश करेगी। बीएल एग्रो समूह बैल कोल्हू ब्रांड के तहत खाद्य तेल और नरिश तथा अन्य ब्रांडों के तहत प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ बेचती है। उसने वित्त वर्ष 2024-25 में लगभग 8,000 करोड़ रुपये का कारोबार किया। बरेली स्थित इस पारिवारिक स्वामित्व वाले समूह की अगले पांच वर्षों में कई परियोजनाओं के विस्तार पर लगभग 3,000 करोड़ रुपये निवेश करने की योजना है, जिसमें दूध के साथ ही चावल का व्यवसाय भी शामिल है।

रेनॉल्ट लागत कम करने 3,000 कर्मचारियों की छंटनी करेगी

कंपनी ने हाल ही में लगभग 13 अरब डॉलर) का भारी नुकसान दर्ज किया

नई दिल्ली फ्रांसीसी ऑटोमोबाइल कंपनी रेनॉल्ट अपनी लागत में कटौती करने के लिए बड़े स्तर पर कदम उठाने जा रही है। कंपनी ने सपोर्ट फंक्शन्स जैसे मानव संसाधन, वित्त और मार्केटिंग में लगभग 15 फीसदी कर्मचारियों की छंटनी करने की योजना बनाई है। इससे करीब 3,000 नौकरियां प्रभावित हो सकती हैं। यह छंटनी मुख्य रूप से कंपनी के मुख्यालय बूलोन-बिलांकॉर्ट (पेरिस के पास) और दुनिया भर के अन्य कार्यालयों में की जाएगी। इस योजना को रेनॉल्ट ने ÷एरो÷ नाम दिया है। 2024 के अंत तक रेनॉल्ट के पास कुल 98,636 कर्मचारी थे। कंपनी ने हाल ही में 11.2 अरब यूरो (लगभग 13 अरब डॉलर) का भारी नुकसान दर्ज किया है, जिसमें से 9.3 अरब यूरो का हिस्सा उनके पार्टनर निसान के राइट-डाउन से जुड़ा है। इसके बावजूद, रेनॉल्ट की आय पिछले वर्ष की तुलना में काफी कम हो गई है, जो केवल 461 मिलियन यूरो रही। वैन मार्केट की कमजोरी, इलेक्ट्रिक वाहनों की महंगी उत्पादन लागत और चीनी कार कंपनियों की कड़ी प्रतिस्पर्धा ने कंपनी पर अतिरिक्त दबाव डाला है। जुलाई में नई नियुक्ति फ्रांस्वा प्रोवोस्ट ने सीईओ के रूप में कार्यभार संभाला है। उनके सामने कंपनी की माली हालत सुधारने और क्रेडिट रेटिंग को निवेश योग्य स्तर तक लाने की चुनौती है। साथ ही, उन्हें अमेरिकी टैरिफ और चीनी प्रतिस्पर्धा से निपटने के लिए भी रणनीति बनानी होगी। इस वजह से कंपनी तेजी से खर्च कम करने और संचालन को बेहतर बनाने के उपाय कर रही है। हालांकि अभी कोई अंतिम फैसला नहीं लिया गया है, लेकिन यह योजना साल के अंत तक फाइनल हो सकती है।

तिमाही नतीजे आईपीओ और वैश्विक संकेत तय करेंगे बाजार की दिशा

अमेरिकी एफओएमसी मिनट्स और शटडाउन जैसे अहम कारकों पर रहेगी निवेशकों की नजर

मुंबई भारतीय शेयर बाजार के लिए यह सप्ताह कई अहम घटनाओं से भरपूर रहने वाला है। निवेशकों की नजर मुख्य रूप से दूसरी तिमाही के नतीजों, नए आईपीओ और वैश्विक आर्थिक संकेतों पर टिकी रहेगी। 9 अक्टूबर को आईटी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और टाटा एलेक्सी अपने जुलाई-सितंबर तिमाही के नतीजे घोषित करेंगी। टीएसीएस के नतीजे आईटी सेक्टर की दिशा निर्धारित कर सकते हैं, खासकर जब सेक्टर में धीमी ग्रोथ को लेकर चिंताएं बनी हुई हैं। इस सप्ताह का एक और बड़ा आकर्षण होगा टाटा कैपिटल का आईपीओ, जिससे निवेशकों के बीच खासा उत्साह है। साथ ही एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स के संभावित आईपीओ से जुड़ी किसी भी अपडेट पर भी बाजार की नजर रहेगी। अंतरराष्ट्रीय मोर्चे पर यूएस फेडरल रिजर्व की बैठक के एफओएमसी मिनट्स जारी किए जाएंगे, जो यह स्पष्ट करेंगे कि अमेरिका में ब्याज दरें आगे क्या रुख लेंगी। इसके साथ ही, अमेरिकी सरकार के शटडाउन की स्थिति भी वैश्विक निवेश धारणा को प्रभावित कर सकती है। पिछले सप्ताह बाजार में मजबूती देखी गई। इस सप्ताह बाजार में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है। निवेशकों को सतर्कता और विवेकपूर्ण निर्णय की आवश्यकता होगी।

अमेरिकी सरकार के शटडाउन के बीच बिटकॉइन की बड़ी छलांग, कीमत 1.25 लाख डॉलर के पार

नई दिल्ली

अमेरिकी सरकार के शटडाउन के बीच, बिटकॉइन की कीमतों में एक बार फिर से तेजी देखी जा रही है और कीमत 1,25,000 डॉलर के पार निकल गई है। बिटकॉइन की कीमतों में बीते आठ सत्रों से बढ़त देखी जा रही है। इसकी वजह बिटकॉइन एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड में इनफ्लो आना है। इससे पहले बिटकॉइन का उच्चतम स्तर 1,24,480 डॉलर था, जो कि अगस्त के मध्य में रिकॉर्ड किया गया है।

बिटकॉइन में तेजी की वजह अमेरिकी सरकार की ओर से क्रिप्टोकरेंसी समर्थित नीतियां, डॉलर का अन्य विदेशी मुद्राओं के खिलाफ कमजोर प्रदर्शन और अमेरिकी सरकार के शटडाउन के कारण अस्थिरता का बढ़ना है, जिससे अमेरिका में सरकारी कामकाज ठप हो गया है। विश्लेषकों का कहना है कि यह तेजी का रुझान बिटकॉइन के हाफिंग इवेंट के बाद के प्रदर्शन के अनुरूप है।

आमतौर पर, हाफिंग इवेंट को बिटकॉइन के लिए दीर्घकालिक मूल्य वृद्धि को गति देने वाले उत्प्रेरक के रूप में देखा जाता है, क्योंकि इसमें क्रिप्टोकरेंसी की वॉल्यूम में आधी कटौती की जाती है। डिसइन्फो लैब के अनुसार, अमेरिका पाकिस्तान के साथ संबंध मजबूत कर रहा है और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के परिवार के वर्ल्ड लिबर्टी फाइनेंशियल और पाकिस्तान में सैन्य-संबंधित फंडों से जुड़े एक क्रिप्टोकरेंसी समझौते पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। एक ब्रिटिश-पाकिस्तानी उद्यमी बिलाल बिन साकिब जो अब पाकिस्तान की हाल ही में बनाई गए क्रिप्टो काउंसिल (पीसीसी) के सीईओ और ब्लॉकचेन पर प्रधानमंत्री के विशेष सहायक के रूप में कार्यरत हैं, डब्ल्यूएलएफ के सलाहकार भी हैं, जिससे हितों के टकराव की चिंताएं बढ़ रही हैं। जून 2025 में, पाकिस्तान ने ब्लॉकचेन इन्फ्रास्ट्रक्चर का विस्तार करने और डीसेंट्रलाइज्ड फाइनेंस (डीईएफआई) को बढ़ावा देने के लिए ट्रंप समर्थित क्रिप्टो वेंचर वर्ल्ड लिबर्टी फाइनेंशियल (डब्ल्यूएलएफ) और बिनेंस के साथ समझौतों पर हस्ताक्षर किए थे।

दिल्ली में चांदी की कीमत स्थिर, निवेशकों की बढ़ी दिलचस्पी

नई दिल्ली दिल्ली में रे विवार को चांदी की कीमतों में स्थिरता देखी गई है। बाजार में चांदी 155 रुपए प्रति ग्राम, 15,500 रुपए प्रति 100 ग्राम और 1,55,000 रुपए प्रति किलोग्राम के भाव पर बिक रही है। यह दरें पिछले दिन के मुकाबले समान हैं। हाल के दिनों में अंतरराष्ट्रीय बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद भारत में चांदी की मांग में कमी नहीं आई है। चांदी न सिर्फ गहनों में बल्कि निवेश और सजावटी उपयोग के लिए भी काफी लोकप्रिय हो रही है। त्योहारों और शादी के सीजन में इसकी मांग में और भी तेजी आती है। महिलाएं अब चांदी के गहनों जैसे पायल, झुमके और कड़े में ज्यादा रुचि दिखा रही हैं। वहीं निवेशक इसे गोल्ड के बाद दूसरा सबसे सुरक्षित मेटल मानते हैं।

सुरक्षा मानकों को सिट्रोन सी 3 एयरक्रॉस ने नई ऊंचाई पर पहुंचाया

नई दिल्ली भारत में सुरक्षा मानकों को सिट्रोन सी 3 एयरक्रॉस ने नई ऊंचाई पर पहुंचा दिया है। इस एसयूवी अब भारत न्यू कार असेसमेंट प्रोग्राम से 5-स्टार रेटिंग हासिल की है। यह रेटिंग इसके 5-सीटर वेरिएंट को मिली है। एडल्ट ऑक्यूपेंट प्रोटेक्शन में इसे 32 में से 27.05 अंक और चाइल्ड ऑक्यूपेंट प्रोटेक्शन में 49 में से 40 अंक मिले हैं। हालांकि बच्चों की सुरक्षा के लिए इसे 4-स्टार रेटिंग दी गई है। डाइनामिक टेस्टिंग में एसयूवी ने बच्चों की सुरक्षा के लिए 24 में से पूरे 24 अंक हासिल किए। ब्रिटेक्स रोमर आई-साइज चाइल्ड सीट्स और सीआरएस इंस्टॉलेशन के चलते इसे 12 में से पूरे अंक मिले। यह साबित करता है कि एसयूवी बच्चों की सुरक्षा में पूरी तरह सक्षम है। सी3 एयरक्रॉस की मजबूती का राज इसका हाई-स्ट्रेंथ, एडवांस्ड और अल्ट्रा-हाई-स्ट्रेंथ स्टील स्ट्रक्चर है। इससे टक्कर की स्थिति में केबिन की सुरक्षा बेहतर रहती है। एसयूवी के सभी वेरिएंट्स में 6 एयरबैग्स, इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल, इसोफिक्स चाइल्ड सीट एंकर, सीट बेल्ट रिमाइंडर, टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम और हिल-होल्ड असिस्ट जैसी सुविधाएं स्टैंडर्ड हैं। सुरक्षा के अलावा इसमें एलईडी प्रोजेक्टर हेडलैंप्स, ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल, रियर एसी वेंट्स और फ्लेक्सिबल सीटिंग जैसे फीचर्स भी हैं। यह एसयूवी 1.2 लीटर टर्बो पेट्रोल और 1.2 लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन में आती है, दोनों मैनुअल और ऑटोमैटिक गियरबॉक्स विकल्पों के साथ। हालांकि यह रेटिंग फिलहाल केवल 5-सीटर वेरिएंट पर लागू होती है। इसके बावजूद, यह एसयूवी अब भारत एनकैप द्वारा टेस्ट की गई सबसे सुरक्षित मिड-साइज़ एसयूवी में शामिल हो गई है।

ईडी ने ओजोन अर्बाना पर की कार्रवाई, 423 करोड़ की संपत्तियां कुर्क

ग्राहकों के साथ की गई धोखाधड़ी के कई मामलों की जांच के बाद हुई कार्रवाई

बेंगलुरु

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बेंगलुरु में मेसर्स ओजोन अर्बाना इंफ्रा डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड और उसके प्रमोटर एस वासुदेवन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत 423.38 करोड़ रुपए की अचल संपत्तियां कुर्क की गई हैं।

यह कार्रवाई कंपनी द्वारा ग्राहकों के साथ की गई धोखाधड़ी के कई मामलों की जांच के बाद हुई है। कंपनी पर आरोप है कि उसने ग्राहकों को समय पर फ्लैट नहीं दिए और निर्माण कार्य में देरी की। ग्राहकों से अग्रिम भुगतान लेकर न तो फ्लैट दिए गए और न ही उनकी राशि वापस की गई। इसके साथ ही कंपनी ने परियोजना पूरा होने तक ईएमआई भुगतान करने का वादा किया था, जिसे पूरा नहीं किया गया। ईडी की जांच में पता चला कि कंपनी और प्रमोटर वासुदेवन ने मिलकर कुल 927.22 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी की है।

यह रकम विभिन्न समूह कंपनियों और संबद्ध व्यक्तियों के माध्यम से बेईमानी से रोक रखी गई है। ईडी ने ओजोन अर्बाना की कई परियोजनाओं में बिना बिके फ्लैट, व्यावसायिक भूमि और प्रमोटर व उनकी पत्नी की निजी संपत्तियां कुर्क की हैं। इनमें एवेन्यू के 92 फ्लैट, एक्वा 2 के 13 फ्लैट और मुदिगेरे के कन्नहल्ली गांव में 179 एकड़ भूमि शामिल है। कुल संपत्तियों का मूल्य 423.38 करोड़ रुपए बताया गया है।

पीएमएलए के तहत इस मामले में जांच जारी है।

साथ ही सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर सीबीआई ने भी इस मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्राहकों के हितों की रक्षा के लिए यह कार्रवाई अहम कदम माना जा रहा है।

पहली छमाही में 5जी हैंडसेट की हिस्सेदारी बढ़कर 87 प्रतिशत हुई

नई दिल्ली भारत के स्मार्टफोन शिपमेंट में साल 2025 की पहली छमाही में 5जी हैंडसेट की हिस्सेदारी बढ़कर 87 प्रतिशत हो गई है। भारत अब कुल स्मार्टफोन शिपमेंट में 5जी हिस्सेदारी के मामले में वैश्विक स्तर पर 14वें स्थान पर है। 2023 की पहली छमाही में भारतीय बाजार में स्मार्टफोन शिपमेंट की हिस्सेदारी 47 प्रतिशत थी और देश वैश्विक स्तर पर 40वें स्थान पर था। काउंटरपॉइंट रिसर्च की रिपोर्ट के अनुसार, 5जी स्मार्टफोन का चलन तेजी से बढ़ रहा है और 2025 की पहली छमाही में कुल वैश्विक स्मार्टफोन शिपमेंट में इनकी हिस्सेदारी 71 प्रतिशत थी। विकसित और उभरते दोनों ही बाजारों में 5जी स्मार्टफोन की पहुंच तेजी से बढ़ी है, जिसका मुख्य कारण बढ़ती उपभोक्ता मांग, अफोर्डेबल डिवाइस और तेज 5जी नेटवर्क रोलआउट हैं। हालांकि, वेनेजुएला और इक्वाडोर जैसे कुछ देशों में स्मार्टफोन शिपमेंट में 5जी की हिस्सेदारी में बहुत धीमी वृद्धि देखी जा रही है। 2025 की पहली छमाही में, क्रम में नीचे के 10 देशों में 5जी की औसत हिस्सेदारी केवल 15 प्रतिशत थी और एशिया वैश्विक स्तर पर सबसे बड़ा 5जी स्मार्टफोन बाजार था। हालांकि, पाकिस्तान और बांग्लादेश सबसे कम 5जी अपनाने वाले देशों में शामिल थे। 2025 की पहली छमाही में एशिया में स्मार्टफोन शिपमेंट के मामले में पाकिस्तान सातवां सबसे बड़ा बाजार था, लेकिन उसने अभी तक 5ल सेवाएं शुरू नहीं की हैं।

शरद पूर्णिमा : चंद्र विज्ञान और आस्था का अद्भुत संगम

योगेश कुमार गोयल

यह रात हमें सिखाती है कि जीवन का सच्चा आनंद केवल भौतिक संपत्ति में नहीं बल्कि मन की शांति और संतुलन में है। चंद्रमा की अमृतमयी रोशनी की तरह यदि हमारे विचार और कर्म भी निर्मल हों तो जीवन भी पूर्णिमा की तरह उज्ज्वल बन सकता है। कुल मिलाकर देखा जाए तो शरद पूर्णिमा केवल एक तिथि नहीं बल्कि ब्रह्मांड की ऊर्जा से जुड़ने का एक माध्यम है, जब प्रकृति, मनुष्य और परमात्मा तीनों एक लय में नृत्य करते हैं और इस लय में ही जीवन का सच्चा आनंद छिपा है।

हर साल आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को 'शरद पूर्णिमा' पर्व मनाया जाता है और इस दिन चंद्रमा अपने पूर्ण स्वरूप में आसमान में चमकता है। इस वर्ष यह पावन तिथि 6 अक्तूबर को दोपहर 12 बजकर 23 मिनट से आरंभ होकर 7 अक्तूबर की सुबह 9 बजकर 16 मिनट तक रहेगी, इसलिए शरद पूर्णिमा 6 अक्तूबर की रात को मनाया जाएगा। शरद पूर्णिमा को चंद्रमा के पूर्ण स्वरूप का उत्सव भी कहा जाता है। इस रात चंद्रमा की रोशनी इतनी तेज होती है कि धरती दूधिया उजास में नहा उठती है। प्राचीन मान्यताओं के अनुसार इस दिन चंद्रमा की किरणें विशेष रूप से औषधीय गुणों से भरपूर होती हैं। यह माना जाता है कि इन किरणों में स्वास्थ्य, सौंदर्य और शक्ति बढ़ाने वाले तत्व होते हैं। वेदों और पुराणों में चंद्रमा को औषधियों का स्वामी माना गया है। गीता में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं कि 'मैं ही सोम रूप चंद्रमा बनकर समस्त औषधियों को पुष्ट करता हूं।'

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार वर्षभर में केवल शरद पूर्णिमा के दिन ही चंद्रमा अपनी सभी सोलह कलाओं से पूर्ण होता है। माना जाता है कि प्रत्येक कला मनुष्य के जीवन की किसी न किसी विशेषता का प्रतीक होती है। भगवान श्रीकृष्ण को इन सोलह कलाओं का पूर्ण रूप कहा गया है, इसलिए शरद पूर्णिमा को रास पूर्णिमा भी कहा जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार इसी रात श्रीकृष्ण ने अपनी मुरली की मधुर धुन पर ब्रज की गोपियों के साथ यमुना तट पर दिव्य महारास किया था। इसीलिए यह रात प्रेम, आनंद और भक्ति का प्रतीक मानी जाती है। वृंदावन और बृज क्षेत्र में आज भी शरद पूर्णिमा को बहुत उत्साह से मनाया जाता है।

शरद पूर्णिमा को कोजागरी पूर्णिमा या कौमुदी उत्सव के नाम से भी जाना जाता है। 'कोजागर' का अर्थ है 'कौन जाग रहा है?' मान्यता है कि इस रात मां लक्ष्मी पृथ्वी पर विचरण करती हैं और जो व्यक्ति जागकर सच्चे मन से उनकी पूजा करता है, उस पर लक्ष्मी की कृपा बरसती है। कहा जाता है कि समुद्र मंथन के समय धन की देवी लक्ष्मी का प्रकट होना भी इसी पूर्णिमा की रात हुआ था। इसलिए यह पर्व धन, समृद्धि और शुभता का प्रतीक माना जाता है। इस दिन लोग मां लक्ष्मी के साथ भगवान विष्णु की पूजा करते हैं, साथ ही शिव-पार्वती और कार्तिकेय की आराधना का भी विधान है। इस दिन व्रत रखकर रातभर जागरण और भक्ति करने से व्यक्ति को आर्थिक समृद्धि, मानसिक शांति और शुभ फल प्राप्त होते हैं।

शरद पूर्णिमा की रात का सबसे प्रसिद्ध और सुंदर प्रतीक है खीर की परंपरा। इस रात घरों में खीर बनाकर खुले आकाश के नीचे रखी जाती है ताकि चंद्रमा की चांदनी उसमें पड़े। मान्यता है कि इस रात चंद्रमा की किरणों में अमृत बरसता है और वह अमृत खीर में समा जाता है। सुबह उस खीर को प्रसाद के रूप में ग्रहण किया जाता है, जो अमृत समान मानी जाती है। ज्योतिषीय दृष्टि से दूध, चावल और चीनी चंद्र ग्रह से जुड़े तत्व हैं। इसीलिए चंद्रमा की रोशनी में रखी गई खीर में उसकी शुभ ऊर्जा और औषधीय गुण समा जाते हैं। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी इस परंपरा का गहरा अर्थ है। दूध में लैक्टिक एसिड और खीर में मौजूद चावल के स्टार्च के कारण जब इसे खुली चांदनी में रखा जाता है तो उसमें ऐसे परिवर्तन होते हैं, जो इसे अधिक पौष्टिक बना देते हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि चंद्रमा की किरणों में मौजूद अल्ट्रा-वॉयलेट और इंफ्रारेड ऊर्जा दूध में मौजूद सूक्ष्म जीवों की क्रिया को सक्रिय करती है, जिससे वह पाचन में सहायक और स्वास्थ्यवर्धक बन जाता है। इसीलिए शरद पूर्णिमा की रात रखी खीर को स्वास्थ्य के लिए लाभकारी माना गया है।

पौराणिक कथाओं में यह भी उल्लेख मिलता है कि रावण इस रात दर्पण के माध्यम से चंद्रमा की किरणों को अपनी नाभि पर ग्रहण कर युवा शक्ति प्राप्त करता था। यह कथा प्रतीक है कि चंद्रमा की किरणें शरीर में ऊर्जा, शांति और जीवन शक्ति भरने का सामर्थ्य रखती हैं। शरद पूर्णिमा ऋतु परिवर्तन की भी प्रतीक है। यह दिन वर्षा ऋतु की समाप्ति और शीत ऋतु के आगमन की घोषणा करता है। मौसम बदलने के इस समय शरीर को नई जलवायु के अनुकूल बनाना आवश्यक होता है। आयुर्वेद के अनुसार, इस समय वात, पित्त और कफ दोषों में असंतुलन की संभावना बढ़ती है। खीर का मधुर स्वाद और उसका शीतल प्रभाव इन दोषों को संतुलित करने में सहायक होता है। इसलिए यह पर्व केवल धार्मिक दृष्टि से ही नहीं बल्कि स्वास्थ्य की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

शरद पूर्णिमा की रात का सौंदर्य अद्भुत होता है। जब पूर्ण चंद्रमा आकाश में अपनी सोलह कलाओं के साथ दमकता है तो उसकी दूधिया रोशनी में पूरी धरती जैसे अमृत में डूब जाती है। इस दृश्य को देखकर मन में स्वतः शांति और प्रसन्नता का संचार होता है। यह रात केवल पूजा या जागरण की नहीं बल्कि आत्म-शुद्धि और ध्यान की भी होती है। यह दिव्य पर्व हमें संदेश देता है कि जैसे चंद्रमा अंधकार को मिटाकर जग को उजाला देता है, वैसे ही हमें अपने भीतर की अज्ञानता को मिटाकर ज्ञान और करुणा का प्रकाश फैलाना चाहिए। यह पर्व केवल बाहरी चंद्रमा का नहीं बल्कि हमारे भीतर के चंद्र स्वरूप (शीतलता, शांति और प्रेम) का भी उत्सव है।

कुछ स्थानों पर शरद पूर्णिमा को फसल कटाई के पर्व के रूप में भी मनाया जाता है। किसान इस दिन प्रकृति को धन्यवाद देते हैं क्योंकि शरद ऋतु के आगमन के साथ खेतों में नई ऊर्जा और फसल की खुशबू भर जाती है। इस प्रकार शरद पूर्णिमा धर्म, विज्ञान, आस्था और प्रकृति, चारों का संगम है। यह रात हमें सिखाती है कि जीवन का सच्चा आनंद केवल भौतिक संपत्ति में नहीं बल्कि मन की शांति और संतुलन में है। चंद्रमा की अमृतमयी रोशनी की तरह यदि हमारे विचार और कर्म भी निर्मल हों तो जीवन भी पूर्णिमा की तरह उज्ज्वल बन सकता है। कुल मिलाकर देखा जाए तो शरद पूर्णिमा केवल एक तिथि नहीं बल्कि ब्रह्मांड की ऊर्जा से जुड़ने का एक माध्यम है, जब प्रकृति, मनुष्य और परमात्मा तीनों एक लय में नृत्य करते हैं और इस लय में ही जीवन का सच्चा आनंद छिपा है।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

संपादकीय

मेहनत की कमाई में सेंध

कैसी विडंबना है कि भोले-भाले लोगों से छल करके खून-पसीने से हासिल जीवनभर की पूंजी ऑनलाइन डकैती में लूट ली जाती है। जिसकी वापसी के लिए तंत्र की कोई जवाबदेही और कानून-व्यवस्था से कोई गारंटी सुनिश्चित नहीं है। जब तंत्र लगातार ऑनलाइन सेवाओं के उपयोग के लिये प्रेरित करता है तो उसे जनधन की सुरक्षा की गारंटी भी सुनिश्चित करनी चाहिए। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो यानी एनसीआरबी द्वारा जारी हालिया आंकड़े इस संकटपूर्ण स्थिति का खुलासा करते हैं। एनसीआरबी की रिपोर्ट खुलासा करती है कि वर्ष 2023 में साइबर क्राइम की घटनाओं में 31.2 प्रतिशत की तेज वृद्धि देखी गई है। जिसके आने वाले वर्षों में और अधिक होने की आशंका जतायी जा रही है। जो इस बात का प्रमाण है कि ऑनलाइन धोखाधड़ी से निबटना अब दिन-प्रतिदिन मुश्किल होता जा रहा है। निश्चित रूप से साइबर क्राइम से जुड़े अपराधों के आंकड़े जुटाने की एनसीआरबी की पहल महत्वपूर्ण है, जो इस संकट से निबटने की अंतर्दृष्टि प्रदान करती है। लेकिन महत्वपूर्ण यह है कि हम इन अपराधों से निबटने के लिये कैसे रणनीति बनाते हैं। साथ ही आम लोगों को जागरूक करने की जरूरत है कि कैसे वे साइबर अपराधियों के संजाल में फंसने से बच सकते हैं। यूं तो डेटा सुरक्षा के लिये तमाम दिशा-निर्देश सरकार के विभिन्न संगठनों की तरफ से दिए जाते हैं, लेकिन आज भी पुरानी पीढ़ी के तमाम लोग ऐसे हैं जो ऑनलाइन सुविधाओं के उपयोग को लेकर पर्याप्त रूप से साक्षर नहीं होते। ऐसे में लोगों को जागरूक करना जरूरी है कि दैनिक जीवन में ऑनलाइन सेवाओं का उपयोग करते हुए अपने गोपनीय डेटा की सुरक्षा कैसे करें। लेकिन विडंबना यह है कि साइबर अपराधी नित नए तौर-तरीकों से लोगों को लूटने लगते हैं। कुछ समय पहले साइबर लुटेरों ने स्पूफिंग तकनीक से लोगों को शिकार बनाना शुरू किया। वे सोशल मीडिया अकाउंट में घुसपैठ करके धन की उगाही करने लगते। व्यक्ति को संकट में दिखाकर उसके रिश्तेदारों से धन ऐंठने लगते।

विडंबना यह है कि साइबर ठगी की तकनीक उपभोक्ताओं के मोबाइल नंबरों और ई-मेल खातों तक भी पहुंच गई। दरअसल, कभी हैकिंग, तो कभी स्पूफिंग के कपटपूर्ण छल का मकसद लोगों की जमा-पूंजी को निशाना बनाना ही रहा है। दरअसल, जब तक लोग ठगी के इन तौर-तरीकों को समझ पाते, साइबर ठग नई तकनीक के सहारे लोगों को भ्रमित कर चूना लगाने की नई कोशिश में लग जाते हैं। ऐसे में साइबर अपराधों के बढ़ते मामलों के बीच सवाल उठता है कि हमारा तंत्र इन घटनाओं में पर प्रभावी रोक लगाने में कामयाब क्यों नहीं हो पाता। आखिर फोन व कंप्यूटर में मजबूत एंटी वायरस और इंटरनेट सुरक्षा सॉफ्टवेयर क्यों कामयाब नहीं होते। आखिर क्यों साइबर घुसपैठ के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं हो पाती। इन पर रोक के लिये कोई कारगर व्यवस्था व मैकेनिज्म क्यों नहीं बन पा रहा है।

चिंतन-मनन

क्या है शुद्ध अहिंसा!

गांधी जी ने अपने जीवन में अहिंसा के विविध प्रयोग किए। वे एक वैज्ञानिक थे। उनका जीवन प्रयोगशाला था। उनका प्रारंभिक और अंतिम साहित्य देखने से यह तथ्य भलीभांति स्पष्ट हो जाता है। बड़े जीव की सुरक्षा के लिए छोटे जीव को मारने में वे पाप बताते थे। खती को हानि पहुंचाने वाले बंदर, हिरण तथा अन्य जहरीले जानवरों को मारने में भी वे पाप मानते थे। यद्यपि आवश्यकतावश उन्होंने जीवों को मारने की इजाजत भी दी, पर उसे शुद्ध अहिंसा कभी नहीं माना। मेरे सामने भी ऐसे प्रश्न आते हैं कि बिल्ली चूहे को मारती है तो उसे बचाना अहिंसा है या नहीं? मैं कहता हूं कि बचाना या बिल्ली को भगाना आपका काम है। मैं इसमें हस्तक्षेप नहीं करता, किंतु इसे शुद्ध अहिंसा नहीं माना जा सकता। शुद्ध अहिंसा वही है जहां हिंसक का दिल बदले। बिल्ली से आप चूहे को बचा सकेंगे, किंतु उसे अहिंसक नहीं बना सकते।

बूचड़खाने में पैसा देकर आप जानवरों को बचा सकते हैं, किंतु ऐसा करके आप कसाई को अहिंसक नहीं बना सकते। मैं किसी को बचाने में अवरोधक नहीं बनता। किंतु मेरा वास यह है कि अहिंसा और धर्म को पैसों से खरीदा नहीं जा सकता। डंडे के बल से भी अहिंसा नहीं हो सकती। वह तो किसी के दिल को बदलने से ही हो सकती है। आज धार्मिकों की स्थिति बड़ी दयनीय है। उन्हें देखकर दिल में दर्द होता है। जैसे-तैसे शोषण से पैसे का अर्जन करते हैं, फिर उससे किसी मंदिर का फर्श और धर्मशाला बनाकर या सदाव्रत खोलकर मन से सोचते हैं कि हमने धर्म किया है। यह कैसी विडंबना है?

धर्म नहीं कहता कि आप पाप से पैसा कमाएं। ऐसे धार्मिक लोग हथियार नहीं रखते, किंतु कलम से न जाने कितनों के गले काट लेते हैं। कोई किसान सेठ के पास बैठा था। सेठ के कान से कलम गिर पड़ी। किसान बोला- आपकी छुरी गिर गई है। सेठ झुंझलाकर बोला- कैसी बात कर रहे हो, हम तो धार्मिक आदमी हैं, फिर छुरी कैसे रख सकते हैं? किसान ने कलम हाथ में लेकर पूछा- यह क्या है?

दवाओं की निगरानी के नाम पर अरबों की लूट

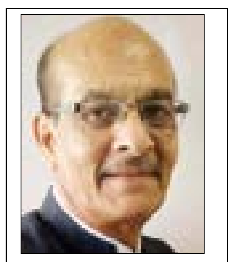

सनत जैन

नेता अधिकारी और डॉक्टर लूट में शामिल... हाल ही में मध्य प्रदेश में करीब एक दर्जन बच्चों की मौत कफ सिरप के कारण हुई है। ये मौतें एक दिन में हुई हों, ऐसा नहीं है। कई दिनों से बच्चों की मौतें हो रहीं थीं। सरकार और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी चुप्पी साधकर बैठे रहे, जिसके कारण अकेले मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में 12 बच्चों की मौत हो गई। इनमें से 11 बच्चे तो एक ही तहसील के थे। कलेक्टर, एसडीएम सरकार का स्वास्थ्य विभाग चुपचाप बैठा रहा। जब मीडिया में यह मामला उभरकर सामने आया। उसके बाद भी सरकार और उसके अधिकारी कछुए की चाल से चलते हुए सफाई देने का काम कर रहे थे।

मध्य प्रदेश सरकार को कफ सिरप को प्रतिबंधित करने में एक हफ्ते से ज्यादा का समय लग गया। यदि इतना बवाल मीडिया मे नहीं हुआ होता, विपक्ष सक्रिय नहीं हुआ होता, तो सरकार भी सक्रिय नहीं होती। केंद्र सरकार और राज्य सरकारें दवा के निर्माण, मूल्य नियंत्रण, गुणवत्ता के साथ ही दवा कारोबार पर नियंत्रण रखने को लेकर जिम्मेदार हैं। पिछले कुछ वर्षों से यह विभाग पूरी तरह से कोमा मे चला गया है। बात केंद्र सरकार से शुरू करते हैं। दवा कंपनियों द्वारा मूल्य नियंत्रण और दवा उत्पादन को लेकर सरकार के मंत्रियों और सत्तारुढ़ राजनीतिक दल को करोड़ों रुपए का चंदा देकर दवा के मूल्य निर्धारित कराती हैं। चुनावी चंदे के रूप में इलेक्टोरल बांड के माध्यम से दवा कंपनियों द्वारा करोड़ों रुपए का चंदा दिए जाने की बात पहले ही उजागर हो चुकी है। इसके अलावा राज्य सरकार के स्वास्थ्य विभाग मे कार्यरत अधिकारी और कर्मचारी अपने-अपने राज्यों में दवाओं के कारोबार को नियंत्रित करने के लिए जिम्मेदार हैं। पिछले एक दशक से केंद्र एवं राज्य सरकारों के स्वास्थ्य विभागों की हालत बेहद खस्ता है। जनसंख्या बढ़ने, अस्पताल बढ़ने, केमिस्टों की संख्या बढ़ने के साथ ही दवा निमार्ताओं की संख्या कई गुना बढ़ गई है। केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा इस कारोबार को नियंत्रित करने के लिए तथा गुणवत्ता बनाए रखने, लोगों, के जीवन को सुरक्षित करने के लिए जो कार्य करना चाहिए था, वह नहीं किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग में नई नियुक्तियां नहीं हो रही हैं। जो अधिकारी और कर्मचारी सेवानिवृत हो गए हैं, उनके पद रिक्त पड़े हुए हैं। दवाइयों की जांच का जिम्मा इंस्पेक्टर और ड्रग कंट्रोलर का है। जो काम स्वास्थ्य विभाग को करना चाहिए, वह नहीं हो रहा है। ड्रग इंस्पेक्टर्स की संख्या लगातार घटती चली जा रही है। जब भी कोई घटना होती है उसके बाद केंद्र सरकार और राज्य सरकारें बड़े-बड़े दावे जरूर करती हैं, लेकिन दावों का हकीकत से कोई लेना-देना नहीं होता है। हाल ही में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने प्रेस रिलीज करके अपना पल्ला, यह कहते हुए झाड़ लिया, मध्य प्रदेश सरकार ने समय पर जांच के लिए लैबोरेट्री सिरप नहीं भेजा। मध्य प्रदेश सरकार को 10 से 15 दिन का समय केवल सैंपल भेजने मे लग गया। तमिलनाडु में भी इसी तरह बच्चों के मौत की घटना हुई थी। 3 दिन के अंदर रिपोर्ट आ जाने के बाद भी तमिलनाडु सरकार और केंद्र सरकार द्वारा अन्य राज्यों को सजग नहीं किया गया। 1 महीने से सिरप के कारण बच्चों की मौतें हो रही थीं। यदि समय रहते यह सूचना सभी राज्यों को दे, दी जाती तो सभी राज्यों में कफ सिरप को प्रतिबंधित कर दिया जाता। कई बच्चों की जान बच जाती। प्रशासनिक लापरवाही से बच्चों की मौतें होती रहीं। 2017 में केंद्र सरकार ने नीति बनाई थी। लेबोरेटरी से कोई दवा मानक पर खरा नहीं उतरती है, तो उसे 72 घंटे के अंदर वापस लेने का प्रावधान किया गया था, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। 2023 में डब्लूटीओ ने भी चेतावनी जारी की थी। भारत का सिरप साउथ अफ्रीका भेजा गया था, वहां पर बड़ी संख्या में मौतें हुई थीं। भारत में निर्मित दवाएं विदेश में निर्यात की जा रही हैं, ऐसी स्थिति में इनकी गुणवत्ता की तरफ विशेष ध्यान होना चाहिए। दवाओं में जिस तरीके के नशीले पदार्थों का उपयोग किया जा रहा है उसको लेकर केंद्र एवं राज्य सरकारों को ज्यादा सजगता बरतने की जरूरत थी, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। मध्य प्रदेश में पिछले 8 महीने में जांच के दौरान 27 कंपनियों की 76 दवाइयां अमानक पाई गई हैं। इसमें पेरासिटामोल कई तरह के इंजेक्शन, सिरप और कैल्शियम की गोलियां शामिल थीं। इसके बाद भी इन पर दवाई वापस बुलाने के अलावा कोई कार्रवाई नहीं की गई। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन की रिपोर्ट भी बताती है, इंदौर, पीथमपुर, देवास, उज्जैन, भोपाल, रतलाम और ग्वालियर की कई दवा कंपनियों की दवाएं अमानक पाई गई हैं। मध्य प्रदेश सरकार के पास पर्याप्त संख्या में ड्रग इंस्पेक्टर ही नहीं हैं। जो हैं, वे जांच के नाम पर केमिस्ट और दवा निमार्ताओं से वसूली में लगे रहते हैं। अमानक दवाइयां पाए जाने के बाद भी केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा कोई दंडात्मक कार्यवाही निमार्ताओं पर नहीं की जाती है। आर्थिक दंड और ब्लैक लिस्ट कर- के मामले को कुछ समय के लिए दबा दिया जाता है। जिसके कारण जहरीली और नशे की दवाइयों का कारोबार दिन-प्रतिदिन बढ़ता चला जा रहा है। वर्तमान समय मे दवा कंपनियों द्वारा डॉक्टर और अस्पतालों के अनुसार अलग-अलग ब्रांड की दवाइयां महंगे प्रिंट रेट पर बेची जा रही हैं। दवाओं के नाम पर आम आदमी को खुलेआम लूटा जा रहा है। जेनेरिक दवाइयां होते हुए भी ब्रांडेड दवाइयां के नाम पर लूट जारी है। पिछले 11 वर्षों से दवाइयों की कीमतें लगातार बढ़ती चली जा रही हैं। दवाइयों की गुणवत्ता घट रही है। केंद्र एवं राज्य सरकारों का निगरानी तंत्र पूरी तरह से विफल हो गया है। निगरानी रखने के लिए केंद्र सरकार और राज्य सरकारों द्वारा जो स्टाफ नियुक्त किया जाना था, वह आज तक नहीं किया गया है। एक-एक ड्रग इंस्पेक्टर के पास कई ड्रग इंस्पेक्टर्स का प्रभार है। ड्रग के इस कारोबार में बहुत पैसा, रिश्वत और चंदे के रूप में दवा निमार्ताओं द्वारा दिया जा रहा है। जिसके कारण मरीजों को भगवान के भरोसे छोड़ दिया गया है। बीमार होने पर मरीज डॉक्टरों के पास जाता है, वे अपने मरीज को महंगी- महंगी दवाइयां लिखते हैं। ठीक हो गए तो उसका भाग्य, नहीं हुए तो इलाज के बहाने डॉक्टर और दवा कंपनियों की कमाई तो बढ़ती ही जाती है। बड़ी संख्या में मौत होने के बाद हर बार जब मामला तूल पकड़ता है सरकार और उनके अधिकारी सक्रिय हो जाते हैं। मुआवजा देकर मामले को निपटाने और ठंडा करने का प्रयास किया जाता है। कुछ दिन बाद लोग भूल जाते हैं। भारत में दवा के कारोबार में राजनेताओं, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों, डॉक्टर्स और दवा कंपनियों के निमार्ताओं का एक ऐसा सिंडिकेट बन गया है, जिसे तोड़ पाना संभव नहीं दिखता है। इस समय दवा और इलाज के नाम पर जो लूट हो रही है, उससे निपटने के लिए जनता को ही लड़ाई लड़ने के लिए सामने आना होगा। अन्यथा इसी तरीके से मासूमों की जानें जाती रहेंगी।

मुद्दा-प्लास्टिक प्रदूषण, गहराता वैश्विक संकट व असफल होती वैश्विक संधि

अनिरूद्ध गौड़

एक समय था जब प्लास्टिक को आधुनिक सभ्यता की बड़ी खोज माना गया था। समय बीता प्लास्टिक उत्पादन में नई खोजें हुईं और प्लास्टिक उद्योग ने पूरे विश्व में चारों ओर छा गया। लेकिन अंधाधुधं प्लास्टिक के उपयोग ने वर्तमान में विश्व के पर्यावरण, मानव स्वास्थ्य और आर्थिक स्थिरता के लिए खतरा कर दिया है। हाल ही में 'द लैंसेट' जरनल की एक अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट में दावा किया गया है कि प्लास्टिक प्रदूषण से हर साल वैश्विक स्वास्थ्य पर करीब 1.5 ट्रिलियन डॉलर से अधिक का बोझ पड़ रहा है। यूनाइटेड नेशन का अनुमान है कि यदि प्लास्टिक प्रयोग का यदि यही आलम रहा तो वर्ष 2040 तक पर्यावरण रिसाव 50 प्रतिशत से अधिक हो जाएगा। परिणाम होगा कि 2015 से 2040 के बीच प्रदूषण से होने वाले पर्यावरणीय और आर्थिक नुकसान की राशि 281 ट्रिलियन डॉलर तक पहुँच सकती है।

मालुम हो कि सन 1950 में जहां विश्व में सिर्फ 2 मेगाटन प्लास्टिक का उत्पादन होता था, वहीं 2022 तक यह बढ़कर 475 मेगाटन तक पहुँच गया। अनुमान है कि अगले तीन दशकों में यानी 2060 तक यह उत्पादन 1200 मेगाटन तक पहुंच सकता है। विडंबना यह है कि इस विशाल मात्रा में उत्पादित प्लास्टिक का मात्र 10 प्रतिशत ही पुनर्चक्रण किया जा पाता है, बाकी प्लास्टिक नदियों, समुद्रों और लैंडफिल में जमा होकर प्रदूषण फैलाता है। इसमें वैश्विक स्तर पर 57 प्रतिशत प्लास्टिक कचरा खुले में जलाया जाता है। इससे वायु प्रदूषण की समस्या गहरा रही है। हाल यह है कि करीब 8 हजार मेगाटन प्लास्टिक कचरा ग्रह को प्रदूषित कर रहा है।

प्लास्टिक प्रदूषण के कारण उत्पन्न माइक्रोप्लास्टिक अब केवल मिट्टी, पानी और वायुमंडल तक सीमित नहीं रहेय वे मानव शरीर में भी प्रवेश कर चुके हैं। ये सूक्ष्म कण ह्रदय, फेफड़े, आंत, रक्त और यहां तक कि गर्भस्थ शिशु तक पहुँच चुके हैं, जिससे दीर्घकालिक स्वास्थ्य जोखिम बढ़ गए हैं। प्लास्टिक प्रदूषण संकट से निपटने के लिए संयुक्त राष्ट्र ने 2022 में देशों ने सर्वसम्मति से नैरोबी में प्रस्ताव 5/14 पारित किया था, जिसका उद्देश्य 2040 तक वैश्विक प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करना है। इस लक्ष्य के लिए एक कानूनी रूप से बाध्यकारी वैश्विक प्लास्टिक संधि तैयार की जानी थी, जिसके लिए अब तक पाँच अंतर-सरकारी वार्ता सत्र आयोजित हो चुके हैं।

चिंताजनक बात है कि इस प्लास्टिक संधि को लेकर पिछले दिनों 5-15 अगस्त, 2025 को जिनेवा में संपन्न हुआ पांचवाँ सत्र बिना किसी ठोस परिणाम के समाप्त हो गया। मुख्य मुद्दों जैसे प्लास्टिक उत्पादन पर वैश्विक सीमा, हानिकारक रसायनों पर प्रतिबंध और वित्तीय सहायता पर कोई सहमति नहीं बन सकी। सौ से अधिक देश उत्पादन सीमाओं के पक्षधर रहे, वहीं सऊदी अरब, रूस, ईरान और अमेरिका जैसे पेट्रो-राष्ट्र इसका विरोध में रहे हैं।

विश्व के विकासशील देशों की मांग है कि उन्हें तकनीकी सहयोग और वित्तीय सहायता मिले ताकि वे प्लास्टिक प्रदूषण से निपट सकें, जबकि अमीर देश अनिच्छुक हैं। साथ ही, कुछ राष्ट्र इस संधि को बाध्यकारी बनाने के बजाय स्वैच्छिक उपायों की दिशा में बढ़ना चाहते हैं। भारत वैश्विक प्लास्टिक प्रदूषण में एक प्रमुख योगदानकर्ता है। नेचर पत्रिका के एक अध्ययन के अनुसार, भारत हर साल करीब 9.3 मिलियन टन प्लास्टिक कचरा उत्पन्न करता है, जो वैश्विक उत्सर्जन का लगभग पांचवां हिस्सा है। भारत ने संधि वार्ता में विकासशील देशों के हितों की वकालत करते हुए प्लास्टिक उत्पादन सीमा का विरोध किया है।

हालांकि, भारत सरकार ने घरेलू स्तर पर सिंगल-यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाने के प्रयास किए हैं। 2019 में प्रधानमंत्री ने स्वतंत्रता दिवस के अपने भाषण में देश को सिंगल-यूज प्लास्टिक मुक्त बनाने का आह्वान किया था। 2025 के विश्व पर्यावरण दिवस पर भी उन्होंने दोहराया कि भारत सतत विकास की दिशा में माइक्रोप्लास्टिक प्रदूषण को कम करने के लिए संकल्पबद्ध है।

आज प्लास्टिक का उपयोग हर क्षेत्र में हो रहा है। उत्पादों की पैकेजिंग, निर्माण, ऑटोमोबाइल, चिकित्सा उपकरण, यहां तक कि इलेक्ट्रॉनिक्स और कपड़ों में भी बड़ा उपयोग है। इसका सस्ता, टिकाऊ और बहुपरकीय स्वरूप इसे व्यावसायिक दृष्टि से आकर्षक बनाता है, लेकिन इसके अपशिष्ट प्रबंधन की विफलता इसे अभिशाप में बदल रही है। आंकड़ों के अनुसार, हर साल करीब 40 करोड़ मीट्रिक टन प्लास्टिक का उत्पादन होता है, जिसमें से 90ः या तो जलाया जाता है या लैंडफिल में जमा हो जाता है। कई गरीब देशों में प्लास्टिक जलाने से वायु प्रदूषण और गंभीर बीमारियाँ फैल रही हैं। प्लास्टिक उद्योग पर पेट्रोकेमिकल लॉबी का दबदबा, वैश्विक राजनीतिक मतभेद और आर्थिक हितों की टकराहट इस समस्या के समाधान में सबसे बड़ी बाधा बन चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) की कार्यकारी निदेशक इन्गर एंडरसन का मानना है कि भले ही संधि अभी तक न बनी हो, लेकिन प्रयास जारी रहेंगे। उधर, संधि के पक्षधरों का मानना है कि कमजोर संधि बनने से यही अच्छा है कि यह नहीं हुई।

माना जाए तो जिनेवा वार्ता की विफलता केवल एक कूटनीतिक असफलता नहीं, बल्कि यह एक वैश्विक चेतावनी है। यदि शीघ्र ही कोई ठोस, बाध्यकारी और सर्वसम्मत संधि नहीं बनती, तो प्लास्टिक प्रदूषण से जुड़े सामाजिक, पर्यावरणीय और स्वास्थ्यगत संकटों की गंभीरता और बढ़ जाएगी। इस समस्या से निपटने को विश्व के सभी देश राजनीतिक इच्छाशक्ति दिखाएं, साथ ही अपने राष्ट्रीय स्तर पर ठोस कदम उठाएं। यह केवल सरकारों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि आम नागरिकों को भी अपनी प्लास्टिक खपत की आदतों में बदलाव लाना होगा। सतत विकास का रास्ता केवल तकनीकी समाधान से नहीं, बल्कि सामूहिक इच्छाशक्ति और व्यवहार परिवर्तन से ही संभव होगा। प्लास्टिक के पुनः उपयोग, पुनर्चक्रण को बढावा देने में जागरूकता और वैकल्पिक विकल्पों को अपनाने की दिशा में सामूहिक प्रयास करने होंगे।

संक्षिप्त समाचार

राजनेता की हत्या के दोषी को आजीवन कारावास

बैंकॉक , एजेंसी। बैंकॉक की एक कोर्ट ने कंबोडिया के एक विपक्षी राजनेता की गोली मारकर हत्या करने के जुर्म में थाईलैंड के एक व्यक्ति को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। कंबोडिया नेशनल रेस्क्यू पार्टी के पूर्व विधायक लिम किमया की 7 जनवरी को बैंकॉक में हत्या कर दी गई थी। थाई नागरिक एक्कलाक फीनोई को इस मामले में गिरफ्तार किया गया था और उसने कबूल किया था कि उसे हत्या के लिए किराए पर लिया गया था।

बच्ची को डुबोने की कोशिश पर महिला को पांच साल की सजा

टेक्सास , एजेंसी। अमेरिका के टेक्सास में एलिजाबेथ वुल्फ (43) नाम की एक महिला को नस्लीय पूर्वाग्रह से प्रेरित एक घटना में तीन वर्षीय फलस्तीनी-अमेरिकी मुस्लिम बच्ची को डुबोने की कोशिश के लिए पांच साल की जेल की सजा सुनाई गई है। घटना मई 2024 में यूलिस के एक अपार्टमेंट कॉम्प्लेक्स के स्विमिंग पूल में हुई थी। बाद में बच्ची की मां ने उसे पानी से बाहर निकालकर जान बचाई थी। महिला ने हत्या के प्रयास और बच्ची को चोट पहुंचाने के जुर्म को स्वीकार कर लिया था।

गोलीबारी के बाद दक्षिण एशियाई फिल्मों की स्क्रीनिंग रद्द

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा के टोरंटो के पश्चिम में ओकविल के एक सिनेमा कंपनी ने पिछले सप्ताह हुई गोलीबारी और आगजनी के प्रयास के बाद सभी दक्षिण एशियाई फिल्मों की स्क्रीनिंग रद्द करने का एलान किया है। फिल्म.सीए सिनेमाज ने बताया कि 25 सितंबर को आगजनी की कोशिश और बृहस्पतिवार सुबह बंद थिएटर पर गोलीबारी हुई। हालांकि, इसमें कोई घायल नहीं हुआ। सिनेमा के सीईओ जेफ नॉल ने घटना की कड़े शब्दों में निंदा की है।

चर्च ऑफ इंग्लैंड को मिलेगा नया नेतृत्व, घोटाले बड़ी चुनौती

लंदन, एजेंसी। चर्च ऑफ इंग्लैंड को आर्कबिशप ऑफ कैंटरबरी के रूप में नया नेतृत्व मिलने की उम्मीद है। पूर्व आर्कबिशप जस्टिन वेल्बी ने बाल यौन शोषण की जानकारी पुलिस को न देने के आरोप के बाद नवंबर में इस्तीफा दे दिया था। नए आर्कबिशप के सामने यौन शोषण घोटालों से उबरने और यौन मुद्दों तथा लिंग से संबंधित मतभेदों को हल करने की चुनौती होगी। गुली फ्रांसिस-देहकानी और रशेल ट्रेवीक जैसी दो महिलाएं भी इस पद की दौड़ में हैं। चर्च के विशेषज्ञों ने इस पूरी प्रक्रिया को 11 महीने की मैराथन बताया है। यह प्रक्रिया बहुत गोपनीय है और किंग चार्ल्स-3 के जरिये इसकी पुष्टि होनी है।

भारतीय राजदूत क्वात्रा की अमेरिकी सांसद से मुलाकात ; कई अहम मुद्दों पर चर्चा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने बृहस्पतिवार को नॉर्थ कैरोलाइना के रिपब्लिकन सांसद ग्रेग मर्फी से मुलाकात की और हालिया घटनाक्रम सहित विभिन्न द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा की। क्वात्रा ने सोशल मीडिया पर जानकारी साझा करते हुए कहा कि बातचीत में व्यापार, रक्षा और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया गया। उन्होंने विशेष रूप से अमेरिका में कानूनी गतिशीलता (लीगल मोबिलिटी) को स्वास्थ्य सेवा, प्रौद्योगिकी और शोध जैसे क्षेत्रों के लिए दीर्घकालिक लाभकारी बताया। क्वात्रा ने कहा कि दोनों पक्षों ने मिलकर संबंधों को और प्रगाढ़ बनाने पर सहमति जताई। क्वात्रा लगातार अमेरिकी नेताओं से मुलाकात कर भारत-अमेरिका रिश्तों को मजबूती देने के प्रयास कर रहे हैं। इससे पहले 19 सितंबर को उन्होंने रिपब्लिकन नेता स्टीव स्केलिस से भी मुलाकात की थी। उस बैठक में भी दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई थी। स्केलिस ने इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जन्मदिन की शुभकामनाएं भी दी थीं।

दो भारतीय पर्यटकों को सिंगापुर में जेल की सजा, लूटपाट और मारपीट के आरोप

सिंगापुर , एजेंसी। सिंगापुर में छुट्टियां मनाने गए भारत के दो युवकों, अरोक्कियासामी डैसन (23) और राजेन्द्रन मयिलारासन (27) को जेल की सजा सुनाई गई है। अदालत ने यौनकर्मियों से लूटपाट और मारपीट के आरोप में पांच साल एक महीने की जेल और 12 बेंत की सजा सुनाई। दोनों ने होटल में महिलाओं को बुलाकर पहले उन्हें बांधा, फिर मारपीट कर नकदी, पासपोर्ट और अन्य सामान लूट लिया। दूसरी पीड़िता ने अगले दिन एक व्यक्ति को घटना बताई, जिससे पुलिस को सूचना मिली। दोनों ने अदालत में गरीबी और पारिवारिक समस्याओं का हवाला देकर दया की अपील की, लेकिन कानून के अनुसार उन्हें सख्त सजा दी गई।

ट्रंप प्रशासन जन्म के आधार पर नागरिकता समाप्त नहीं कर सकता, संघीय अपील अदालत ने सुनाया फैसला

बोस्टन, एजेंसी। बोस्टन की एक संघीय अपील अदालत ने शुक्रवार को अपने एक फैसले में कहा कि ट्रम्प प्रशासन देश में अवैध रूप से या अस्थायी रूप से पैदा हुए लोगों के बच्चों की नागरिकता नहीं रोक सकता है। इससे राष्ट्रपति के जन्मसिद्ध अधिकार आदेश के लिए कानूनी अड़चनें बढ़ गई हैं। प्रथम अमेरिकी सर्किट अपील न्यायालय का तीन न्यायाधीशों का पैनल जून के बाद से राष्ट्रपति के जन्मसिद्ध अधिकार आदेश को अवरुद्ध करने वाले आदेश जारी करने या उसे बरकरार रखने वाला पांचवां संघीय न्यायालय बन गया। अदालत ने अपने निष्कर्ष में कहा कि वादी अपने इस दावे में सफल होने की संभावना रखते हैं कि आदेश में वर्णित बच्चे 14वें संशोधन के नागरिकता खंड के तहत जन्मसिद्ध नागरिकता के हकदार हैं।

पैनल ने निचली अदालतों के प्रारंभिक निषेधाज्ञा को बरकरार रखा। इसके तहत जन्मसिद्ध अधिकार आदेश को तब तक रोक दिया था जब तक कि इसे चुनौती देने वाले मुकदमे आगे नहीं बढ़ गए। जनवरी में राष्ट्रपति के पदभार ग्रहण करने के दिन इस आदेश पर हस्ताक्षर किए गए थे। इस आदेश में अमेरिका में अवैध या अस्थायी रूप से जन्मे लोगों के बच्चों को स्वतः नागरिकता मिलने पर रोक लगा दी गई थी। अदालत ने अपने फैसले में लिखा, इतिहास के सबक हमें इस बात से सावधान रहने का हर कारण देते हैं कि हम जन्मजात नागरिकता को मान्यता देने की हमारी स्थापित परंपरा को तोड़ने और नागरिकता को माता-पिता के कार्यों पर निर्भर करने के बजाय- दुर्लभतम परिस्थितियों में- संयुक्त राज्य अमेरिका में पैदा होने के साधारण तथ्य पर निर्भर करने के इस सबसे हालिया प्रयास को मंजूरी न दें। कैलिफोर्निया के अटॉर्नी जनरल रॉब बोन्टा, जिनका राज्य उन लगभग 20 राज्यों में से एक था जो इस आदेश को चुनौती देने वाले मुकदमे का हिस्सा थे, ने इस फैसले का स्वागत किया।

बोन्टा ने एक बयान में कहा, प्रथम सर्किट ने उस बात की पुष्टि की जो हम पहले से ही जानते थे। जन्मजात नागरिकता पर राष्ट्रपति का हमला अमेरिकी संविधान के चौदहवें संशोधन का घोर उल्लंघन करता है और इसके विनाशकारी परिणामों से बचाव के लिए देशव्यापी निषेधाज्ञा ही एकमात्र उचित उपाय है। उन्होंने आगे कहा, हमें खुशी है कि अदालतें अमेरिकियों के मौलिक अधिकारों की रक्षा करती रही हैं।

शुक्रवार को एक द्वितीय अपीलीय अदालत ने जन्मजात नागरिकता आदेश को चुनौती देने वाले कई संगठनों के पक्ष में फैसला सुनाया। न्यू हैम्पशायर इंडोनेशियन कम्युनिटी सपोर्ट और लीग ऑफ यूनाइटेड लैटिन अमेरिकन सिटिजन्स सहित वादी का प्रतिनिधित्व अमेरिकन सिविल लिबर्टीज यूनियन ने किया।

ब्रिटेन में यहूदी प्रार्थना स्थल के बाहर आतंकी हमला : 2 की मौत, 3 घायल

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के मैनचेस्टर में गुरुवार को एक यहूदी प्रार्थना स्थल (सिनागॉग) के बाहर आतंकी हमला हुआ। इसमें दो यहूदियों की मौत हो गई, जबकि तीन गंभीर रूप से घायल हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, क्रम्पसल इलाके में कई यहूदी योम किप्पुर त्योहार पर प्रार्थना के लिए इकट्ठा हुए थे। इसी दौरान हमलावर ने उन पर कार चढ़ा दी और फिर गोलीबारी करने लगा। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए हमलावर का एनकाउंटर कर दिया, जिसमें उसकी मौत हो गई। योम किप्पुर के दिन यहूदी अपने पिछले गलत कामों के लिए माफी मांगते हैं और प्रार्थना करते हैं। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने इस हमले को बेहद डरावना बताया और पुलिस की तारीफ की। स्टार्मर डेनमार्क से जल्दी लौट रहे हैं ताकि ब्रिटेन की इमरजेंसी कोबरा टीम के साथ बैठक कर सकें। उन्होंने एक्स पर लिखा- यह हमला योम किप्पुर जैसे पवित्र दिन पर हुआ, जो इसे और भी भयानक बनाता है। मेरी संवेदनाएं घायलों के परिवारों के साथ हैं। मैनचेस्टर के मेयर एंडी बर्नहैम ने कहा कि हमलावर की मौत हो गई है। पुलिस भी इसकी पुष्टि कर चुकी है। मेयर बर्नहैम ने लोगों से हमले वाले इलाके में न जाने की अपील की है। ग्रेटर मैनचेस्टर पुलिस ने इसे आतंकवादी घटना घोषित किया है। काउंटर-टेररिज्म टीम मामले की जांच कर रही है।

पाकिस्तान ने गाजा सीजफायर प्लान को नकारा

विदेश मंत्री डार बोले- ट्रम्प ने ड्राफ्ट में बदलाव किया, मेरे पास सबूत हैं

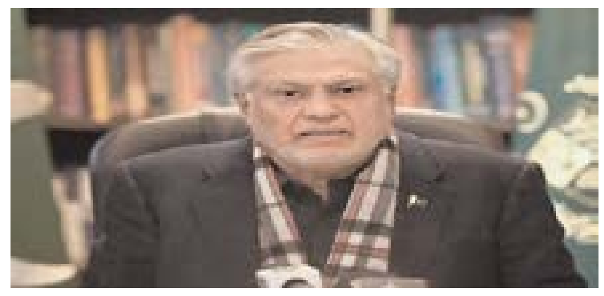

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान ने गाजा में सीजफायर से जुड़े ट्रम्प के प्लान को नकार दिया है। पाकिस्तानी विदेश मंत्री इशाक डार ने शुक्रवार को कहा कि ट्रम्प का गाजा सीजफायर प्लान मुस्लिम देशों के ड्राफ्ट जैसा नहीं है। डार ने बताया कि इस्लामिक देशों ने 22 सितंबर को ट्रम्प के साथ हुई बैठक में गाजा से पूरी तरह से इजराइल की वापसी का प्रस्ताव रखा था। जबकि ट्रम्प के प्लान में सिर्फ सैनिकों की आंशिक वापसी का प्रावधान है, ताकि हमास के कब्जे में बचे हुए बंधकों को रिहा किया जा सके। डार ने संसद में कहा, ट्रम्प का प्लान, हमारे प्रस्ताव के जैसा नहीं हैं। इसमें कुछ बदलाव किए गए हैं, जो हमारे मसौदे में थे। मेरे पास इसका रिकॉर्ड है।

पीएम शहबाज ने समर्थन किया था : ट्रम्प ने सोमवार, 29 सितंबर को गाजा जंग को खत्म करने के लिए 20 पाइंट का प्लान पेश किया था। पीएम शहबाज शरीफ ने एक्स पर पोस्ट कर इस प्लान का समर्थन किया था। पाकिस्तान समेत आठ इस्लामिक देशों मिस्र, इंडोनेशिया, जॉर्डन, कतर, सऊदी अरब, तुर्की और संयुक्त अरब अमीरात ने एक संयुक्त बयान जारी कर ट्रम्प के प्रस्ताव का स्वागत किया था। इन देशों के विदेश मंत्रियों की तरफ से जारी इस बयान में कहा गया था कि वे ट्रम्प के नेतृत्व और युद्ध खत्म करने के उनके ईमानदार प्रयासों में विश्वास रखते हैं। इनके अलावा भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी ट्रम्प के इस प्लान का स्वागत किया था। अमेरिकी व्हाइट हाउस ने इन सभी नेताओं के बयानों को अपनी बेवसाइट पर भी पोस्ट किया है।

पाकिस्तान में 4.5 तीव्रता का भूकंप

कराची , एजेंसी। पाकिस्तान में शनिवार तड़के 1:59 बजे रिक्टर स्केल पर 4.5 तीव्रता का भूकंप आया। राष्ट्रीय भूकंपीय केंद्र के अनुसार भूकंप के केंद्र की गहराई 10 किलोमीटर में रही। इससे पहले 2 अक्तूबर को भी कराची में 3.2 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया था। इसका केंद्र मलिर के उत्तर-पश्चिम में 7 किलोमीटर दूर था। खबर लिखे जाने तक विस्तृत जानकारी नहीं मिली है। लगातार भूकंप के झटकों ने क्षेत्र में चिंता बढ़ा दी है। संबंधित एजेंसियां स्थिति की निगरानी कर रही हैं।

कैंटरबरी में पहली महिला आर्कबिशप चुनी गई सारा मौलली : लंदन , एजेंसी। लंदन की बिशप सारा मौलली शुक्रवार को कैंटरबरी में आर्कबिशप नियुक्त की गई हैं। यह पहली बार है जब किसी महिला को 'चर्च ऑफ इंग्लैंड' का आध्यात्मिक नेता चुना गया है। उन्हें महिलाओं व एलजीबीटीक्यू लोगों संग व्यवहार को लेकर चर्च में मौजूद मतभेदों का सामना करना पड़ेगा।

भीषण सड़क दुर्घटना में दो भारतीयों की मौत : ग्रोसेटो, एजेंसी। इटली के ग्रोसेटो में शुक्रवार सुबह हुई सड़क दुर्घटना में दो भारतीयों सहित तीन लोगों की मौत हो गई। न्यूज एजेंसी अंसा के अनुसार, ऑरेलिया स्टेट रोड पर एक वैन और नौ सीट वाली मिनीबस में टक्कर हुई। हादसे में बच्चों सहित पांच लोग घायल हो गए। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इटली में भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि मृतक नागपुर के भारतीय नागरिक थे।

पीएम स्टार्मर ने यहूदी धर्मस्थल पर हमले की निंदा की : लंदन, एजेंसी। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने मैनचेस्टर के एक सिनेगॉग (धर्मस्थल) पर यहूदियों को निशाना बनाकर किए गए हमले की निंदा की और इसे घृणित बताया। इस हमले में एक व्यक्ति ने कार से लोगों को कुचलने और चाकू से हमला करने की वारदात को अंजाम दिया। हिंसा में दो लोगों की मौत हुई है, जबकि चार गंभीर रूप से घायल हुए। प्रधानमंत्री स्टार्मर ने यहूदी समुदाय की सुरक्षा बढ़ाने का वादा किया और कहा, ब्रिटेन एक ऐसा देश है जहां सभी सुरक्षित और सम्मानित महसूस करेंगे। उन्होंने होलोकॉस्ट का उल्लेख करते हुए यहूदियों को ब्रिटेन में शरण पाने की ऐतिहासिक भूमिका को भी याद किया।

अमेरिका ने कोलंबिया के राष्ट्रपति को घेरा, कहा- मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ करें कार्रवाई

न्यूयार्क, एजेंसी। अमेरिका ने शुक्रवार को कोलंबिया के राष्ट्रपति पर स्थायी शांति की दिशा में हो रही प्रगति को कमजोर करने का आरोप लगाया और नसीहत दी कि उनकी सरकार नार्को-आतंकवादी समूहों की ओर से जारी हिंसा और मादक पदार्थों की तस्करी से निपटने को प्राथमिकता दें। अमेरिक के राजदूत माइक वाल्ट्ज ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में कहा कि कोलंबिया और विश्व भर में राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो की नीतियां स्पष्ट रूप से गैरजिम्मेदाराना और विफलता वाली हैं, इसके कारण देश में अस्थिरता और हिंसा बढ़ी है।

बीते हफ्ते अमेरिका और कोलंबिया के बीच संबंध उस समय और भी खराब हो गए जब वामपंथी नेता पेत्रो ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में दुनियाभर के नेताओं की वार्षिक सभा के दौरान फलस्तीन समर्थक विरोध प्रदर्शन में भाग लिया। इस विरोध प्रदर्शन के बाद अमेरिक के विदेश विभाग ने पेत्रो का वीजा रद्द कर दिया। पेट्रो ने अमेरिका के प्रत्यर्पण अनुरोधों को अस्वीकार करके अमररिका को नाराज कर दिया है। कोलंबिया ने ट्रंप प्रशासन की ओर से की गई आव्रजन कार्रवाई और पड़ोसी वेनेजुएला में मादक पदार्थों की तस्करी से निपटने की पहल की भी आलोचना की है।

सुरक्षा परिषद की यह बैठक ऐसे समय में हुई जब ट्रंप प्रशासन ने कैरिबियन में नावों पर अपने चौथे घातक हमले की घोषणा की। इन नावों के बारे में कहा गया कि वे नशीले पदार्थों की तस्करी कर रही थीं। पेट्रो ने अमेरिका पर हत्या करने का आरोप लगाया और कहा कि नावों पर कोई नार्को-आतंकवादी नहीं थे, बल्कि गरीब कैरिबियाई युवा थे। वाल्ट्ज ने इस बात पर कड़ी असहमति जताई। अमेरिकी राजदूत ने कहा, हाल के महीनों में, कोलंबिया सुरक्षा बलों और नागरिकों पर मादक पदार्थों के आतंकवादी समूहों की ओर से किए गए हमलों से हिल गया है। उन्होंने आगे कहा, इन हथियारबंद समूहों की ओर से की जा रही हिंसा और मादक पदार्थों की तस्करी, अगर अनियंत्रित छोड़ दी गई, तो फैल सकती है और कोलंबियाई लोगों, क्षेत्र के सभी लोगों और निश्चित रूप से अमेरिकियों की सुरक्षा को खतरे में डाल सकती है।

रूस ने यूक्रेन के गैस संयंत्रों पर बड़े पैमाने पर हमले शुरू किए

मास्को, एजेंसी। रूसी सेनाओं ने शुक्रवार को यूक्रेन के कई सैन्य ठिकानों और गैस ढांचों पर बड़े पैमाने पर हमले किए। रूस के रक्षा मंत्रालय के अनुसार, मिसाइलों और लंबी दूरी के ड्रोन से रातभर चलाए गए हमलों में सभी निर्धारित लक्ष्य नष्ट कर दिए गए। यूक्रेन की सरकारी ऊर्जा कंपनी नाफ्तोगाज ने इसे देश के गैस स्थलों पर अब तक का सबसे बड़ा हमला बताया, जिसमें खार्किव और पोलतावा क्षेत्रों में लगभग 35 मिसाइलें दागी गईं। कंपनी ने नुकसान को गंभीर बताया। इससे पहले, 7 सितंबर को रूस ने अब तक का सबसे बड़ा हवाई हमला किया था, जिसमें 800 से अधिक ड्रोन और मिसाइलें दागी गईं। इस हमले में कीव सहित कई शहरों को निशाना बनाया गया और दो लोगों, जिनमें एक शिशु भी शामिल था, की मौत हुई। यूक्रेनी वायुसेना के अनुसार, रूस ने कुल 810 ड्रोन, चार बैलिस्टिक और नौ क्रूज मिसाइलें छोड़ीं, जिनमें से अधिकांश को मार गिराया गया। राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने हमलों को घृणित अपराध बताया और कहा कि यह शांति प्रक्रिया को लंबा करने की कोशिश है। प्रधानमंत्री यूलिया स्विरीडेंको ने इसे बड़ा हमला बताया। उन्बोंने कहा कि इससे कीव, ओडेसा, ड्नीप्रो, क्रीमेनचुक और क्रिवी रीह सहित कई शहर प्रभावित हुए हैं।

इंडोनेशिया स्कूल हादसा-मरने वालों की संख्या बढ़कर 14 हुई, मलबे में दबे हैं कई शव : सिदोआर्जो, एजेंसी। इंडोनेशिया के जावा द्वीप स्थित सिदोआर्जो में एक इस्लामिक स्कूल की इमारत गिरने से मृतकों की संख्या शुक्रवार को बढ़कर 14 हो गई। सोमवार को हुई इस दुर्घटना में सैकड़ों लोग प्रार्थना हॉल में मौजूद थे। बचाव दल ने गुरुवार तक हाथों से खोज की, लेकिन जीवन के कोई संकेत न मिलने पर शुक्रवार को भारी मशीनों का उपयोग किया गया। अब भी लगभग 50 छात्र लापता हैं। मृतकों में अधिकांश 12 से 19 वर्ष के छात्र हैं। कुछ शव प्रार्थना स्थल और निकास द्वार के पास मिले। प्रशासन राहत कार्य में जुटा है और मृतकों की संख्या बढ़ सकती है।

ट्रंप बोले- कैरिबियन ड्रग कार्टेल गैरकानूनी : वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कैरिबियाई क्षेत्र में सक्रिय ड्रग कार्टेल को अवैध लड़ाके घोषित किया है। उन्होंने कहा है कि अमेरिका अब गैर-अंतरराष्ट्रीय सशस्त्र संघर्ष की स्थिति में है। अमेरिकी रक्षा विभाग- पेंटागन ने इस फैसले के बारे में कांग्रेस को सूचित भी कर दिया है। बता दें कि पिछले महीने अमेरिकी सेना ने कैरिबियाई समुद्र में तीन घातक हमले किए थे, जिनमें दो नावें वेनेजुएला से आई थीं। यह कदम ड्रग तस्करी के खिलाफ सख्त कार्रवाई के रूप में देखा जा रहा है। ट्रंप प्रशासन का यह निर्णय क्षेत्रीय सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय कानून के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

पाकिस्तान ने अमेरिका को अरब सागर में बंदरगाह बनाने का प्रस्ताव दिया, रिपोर्ट में बड़ा दावा

वॉशिंगटन, एजेंसी। पाकिस्तान, अमेरिका को खुश करने का कोई मौका नहीं छोड़ रहा। अब पाकिस्तान ने अमेरिका को एक और बड़ी पेशकश की है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तानी सेना के प्रमुख जनरल आसिम मुनीर के करीबी सहयोगियों ने अमेरिका को अरब सागर में एक बंदरगाह बनाने और उसे संचालित करने की पेशकश की है। रणनीतिक लिहाज से अरब सागर बेहद अहम है, ऐसे में पाकिस्तान के इस संभावित कदम को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

बलूचिस्तान के पासनी में बंदरगाह बनाने का प्रस्ताव : फाइनेंशियल टाइम्स ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया है पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के सलाहकारों ने अमेरिकी अधिकारियों से अरब सागर में एक बंदरगाह के विकास और संचालन का प्रस्ताव रखा है। इस योजना में अमेरिकी निवेशकों द्वारा बलूचिस्तान के पासनी शहर में पाकिस्तान के महत्वपूर्ण खनिजों तक पहुंच मिलेगी। योजना के तहत पासनी में एक टर्मिनल का निर्माण और संचालन शामिल है। पासनी, बलूचिस्तान प्रांत के ग्वादर जिले में स्थित एक बंदरगाह शहर है, जिसकी सीमा अफगानिस्तान और ईरान से लगती है।

अमेरिकी फंडिंग से रेल गलियारा भी विकसित करने की भी मांग : यह प्रस्ताव सितंबर में व्हाइट हाउस में पाकिस्तानी आर्मी चीफ आसिम मुनीर और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ हुई बैठक के बाद सामने आया है।

रिपोर्ट के अनुसार, यह प्रस्ताव कुछ अमेरिकी अधिकारियों को बता दिया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान के प्रस्ताव में बंदरगाह का इस्तेमाल अमेरिकी सैन्य उद्देश्यों के लिए करने की संभावना को खारिज किया गया है और इसका उद्देश्य सिर्फ दुर्लभ खनिजों तक पहुंच है। पाकिस्तान ने पश्चिमी पाकिस्तान के खनिज-समृद्ध प्रांतों को जोड़ने वाले रेल गलियारे के विकास के लिए वित्तपोषण देने की भी मांग की है।

बंधकों के घर लौटने का इंतजार, शांति प्रस्ताव पर सहयोग के लिए ट्रंप का वैश्विक नेताओं को धन्यवाद

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गाजा संघर्ष को खत्म करने के लिए उनके शांति प्रस्ताव के समर्थन के लिए विश्व नेताओं को धन्यवाद दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा है कि वे बंधकों को घर लौटते हुए देखने के लिए उत्सुक हैं। हालांकि ट्रंप ने यह भी स्वीकार किया कि कुछ (बंधकों) की हालत गंभीर हो सकती है। व्हाइट हाउस की ओर से शनिवार को साझा किए गए एक वीडियो संदेश में, ट्रंप ने शांति समझौते को सुनिश्चित करने में मदद के लिए कतर, तुर्की, सऊदी अरब, मिस्र और जॉर्डन जैसे देशों के प्रति आभार जताया। ट्रंप ने कहा कि कहा कि इसे संभव बनाने के लिए कई लोगों ने बहुत मेहनत की है और यह एक महत्वपूर्ण दिन है।

ट्रंप ने अपने बयान में इन देशों का जताया आभार : अपने वीडियो संदेश में ट्रंप ने कहा, मैं उन देशों का शुक्रिया अदा करना चाहता हूँ जिन्होंने इसे एक साथ लाने में मेरी मदद की - कतर, तुर्की, सऊदी अरब, मिस्र, जॉर्डन और कई अन्य। इतने सारे लोगों ने बहुत कड़ा संघर्ष किया। यह एक बड़ा दिन है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि शांति समझौता निकट है। कई देश मध्य पूर्व में युद्ध समाप्त करने व शांति स्थापित करने के लिए एकजुट हैं। ट्रंप ने कहा, मैं बंधकों के अपने माता-पिता के पास घर लौटने का इंतजार कर रहा हूं। दुर्भाग्य से, आप जानते हैं कि कुछ बंधक किस हालत में हैं। उनके माता-पिता भी उन्हें उतना ही चाहते हैं जितना कि उस युवक या युवती के जीवित रहते हुए उन्हें चाहतेथे। इसलिए मैं आपको बताना चाहता हूं कि यह एक बहुत ही खास दिन है, शायद कई मायनों में अभूतपूर्व।

हर कोई मध्य पूर्व में शांति हासिल करने की दिशा में एकजुट- ट्रंप : ट्रंप ने कहा, हमें बहुत अधिक सहायता मिली। हर कोई इस युद्ध के अंत और मध्य पूर्व में शांति हासिल करने की दिशा में एकजुट था, और हम इसे प्राप्त करने के बहुत करीब हैं। ट्रंप की ओर से ट्रुथ पर एक सोशल पोस्ट में की गई टिप्पणी के तुरंत बाद आई। अपने पोस्ट में ट्रंप ने लिखा था, हमास की ओर से हाल ही में जारी बयान के आधार पर, मेरा मानना है कि वे स्थायी शांति के लिए तैयार हैं। इस्राइल को गाजा पर बमबारी तुरंत रोकनी चाहिए, ताकि हम बंधकों को सुरक्षित और जल्दी से बाहर निकाल सकें! अभी ऐसा करना बहुत खतरनाक है। हम पहले से ही इस पर चर्चा कर रहे हैं कि किन विवरणों पर काम किया जाना है। यह केवल गाजा के बारे में नहीं है, यह मध्य पूर्व में लंबे समय से मांगी जा रही शांति के बारे में है।

महिला विश्व कप में भारत और पाकिस्तान की कप्तानों ने नहीं मिलाया हाथ

कोलंबो (एजेंसी)। पाकिस्तान के खिलाफ अपने मैचों में भारत के हाथ न मिलाने के रुख को जारी रखते हुए, कप्तान हरमनप्रीत कौर और फातिमा सना ने रविवार को कोलंबो में महिला विश्व कप 2025 के अपने मुकाबले में टॉस के समय एक-दूसरे से हाथ न मिलाने का रुख अपनाया। रिपोर्ट में पहले बताया था कि आईसीसी मैच अधिकारी मैदान पर किसी भी अवांछित घटना से बचने के लिए मैच के दिन के प्रोटोकॉल के बारे में दोनों टीमों को पहले से ही अलग-अलग जानकारी देने वाले थे।

यह फैसला दोनों क्रिकेट बोडरं के बीच चल रहे तनाव के बीच आया है, जो पुरुष एशिया कप 2025 के दौरान हुए कई विवादों के बाद सामने आया है। इसकी शुरुआत तब हुई जब सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली भारतीय पुरुष टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ ग्रुप-स्टेज मैच के बाद मैच के बाद हाथ मिलाने से इनकार कर दिया। इसके बाद पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा ने प्रसारणकर्ता के साथ मैच के बाद के साक्षात्कार में हिस्सा नहीं लिया, जिसके बाद पीसीबी ने मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट के साथ उनकी बैठक का फुटेज सार्वजनिक रूप से जारी किया।

पाकिस्तान ने उपमहाद्वीपीय टूर्नामेंट में पाइक्रॉफ्ट को हटाने की मांग की थी, लेकिन इस मामले पर उनकी अचानक हुई बैठक - जिसका एक वीडियो सामने आया - के कारण उन्हें टूर्नामेंट अधिकारियों ने आचरण उल्लंघन के लिए आधिकारिक फटकार लगाई। पाकिस्तान ने उपमहाद्वीपीय टूर्नामेंट में उनकी निरंतर भागीदारी के लिए पाइक्रॉफ्ट को हटाने की मांग की थी, जिसके बाद एक अचानक हुई बैठक हुई, जिसके वीडियो के कारण उन्हें टूर्नामेंट अधिकारियों ने आचरण उल्लंघन के लिए आधिकारिक फटकार लगाई।

अगले सुपर फॉर मैच के दौरान यह मतभेद और गहरा गया जब कुछ पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने मैदान पर तीखे इशारे किए। फ़ाइनल में कड़ी टक्कर के बाद, भारतीय टीम ने मोहसिन नकवी से विजेता ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया, जो वर्तमान में एशियाई क्रिकेट परिषद और पीसीबी दोनों के अध्यक्ष हैं और पाकिस्तान के गृह मंत्री भी हैं। नकवी ट्रॉफी देने के लिए किसी और को न सौंपने के लिए तैयार नहीं थे, इसलिए भारतीय खिलाड़ियों ने 90 मिनट की लंबी देरी के बाद बिना ट्रॉफी के ही जश्न मनाया।

महिला टीमें हाथ मिलायेंगी या नहीं, यह एक बड़ा मुद्दा था, यहां तक कि क्रिकेट पर भी इसका असर पड़ा, विश्व कप मुकाबले से पहले, जिसके लिए कोलंबो पाकिस्तान का तटस्थ बेस है। भारत इस टूर्नामेंट का निर्धारित मेजबान है, लेकिन दोनों देश एक-दूसरे की धरती पर नहीं खेलते। भारत और पाकिस्तान की टीमों ने मैच के दिन की अपनी दिनचर्या मैच के निर्धारित समय से लगभग 90 मिनट पहले शुरू की, जब आसमान धूप से बादलों में बदल गया। शनिवार को इसी मैदान पर शाम तक लगातार बारिश के कारण श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के बीच मैच रद्द हो गया था।

भारत ने मैदान के एक तरफ अपना अभ्यास सत्र आयोजित किया, उसके बाद कुछ खिलाड़ियों ने फुटबॉल खेला, जबकि

अरुंधति रेड्डी और राधा यादव ने अपनी निर्धारित साइड पिच पर थोड़ी देर के लिए गेंदबाजी की। भारत के मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने मैच से पहले टीम को संबोधित किया, जिसके बाद उन्होंने और हरमनप्रीत ने सेंटर पिच का निरीक्षण किया।

मैच के दिन के प्रोटोकॉल से पहले शुक्रवार को आर प्रेमदासा मैदान पर भारत के पहले प्रशिक्षण सत्र से पहले पिच को ढक दिया गया था, और अंततःबारिश के कारण वे रविवार तक इसका निरीक्षण नहीं कर पाए। इस बीच, पाकिस्तान की टीम ने अपने डगआउट में अभ्यास करने का फैसला किया, जहां कप्तान सना ने एक संक्षिप्त बैठक में अपने खिलाड़ियों को संबोधित किया।

डब्ल्यूटीसी में सबसे ज्यादा रन और विकेट लेने वाले शीर्ष पांच भारतीय खिलाड़ियों में शामिल हैं जडेजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) में सबसे ज्यादा रन और विकेट लेने वाले शीर्ष पांच भारतीय खिलाड़ियों की सूची में शामिल हैं।

डब्ल्यूटीसी में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले शीर्ष 5 भारतीय

खिलाड़ियों में रनों के मामले में विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत नंबर एक पर हैं। वहीं शुभमन गिल 2697 रनों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। ऋषभ 2731 और पूर्व कप्तान रोहित शर्मा 2716 रनों के साथ ही पहले और दूसरे नंबर पर हैं। वहीं रवींद्र जडेजा विराट कोहली के पीछे पांचवें स्थान पर हैं।

वहीं विकेटों की बात करें तो डब्ल्यूटीसी में भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड आर अश्विन के नाम है। उनके नाम 195 विकेट हैं। वहीं जसप्रीत बुमराह 173 विकेट के साथ ही सूची में दूसरे नंबर पर हैं। इन दोनों के अलावा अभी तक कोई भारतीय डब्ल्यूटीसी में 150 विकेट भी नहीं ले पाया है। रवींद्र जडेजा सूची में 142 विकेट के साथ तीसरे स्थान पर हैं। वहीं मोहम्मद सिराज कुल 130 विकेट के साथ चौथे नंबर पर हैं। भारतीय टीम से बाहर चल रहे मोहम्मद शमी 85 विकेट के साथ पांचवें और आखिरी नंबर पर हैं।

एशिया कप 2025 ट्रॉफी चोरी का मामला- लखनऊ के क्रिकेट प्रेमी ने दुबई पुलिस को दर्ज करवाई शिकायत

लखनऊ (एजेंसी)। दुबई में 27 सितंबर 2025 को संपन्न हुए एशिया कप 2025 फाइनल के दौरान हुई ट्रॉफी चोरी के गंभीर मामले पर लखनऊ निवासी एक क्रिकेट प्रेमी संजय शर्मा ने दुबई पुलिस को औपचारिक शिकायत की है। बीते 30 सितम्बर को भेजी गई शिकायत में बताया गया है कि एशियाई क्रिकेट परिषद (ACC) के अध्यक्ष एवं पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) के चेयरमैन मोहसिन नकवी ने ट्रॉफी को कानूनी तरीके से विजेता भारतीय टीम को सौंपने के बजाय अपने कब्जे में ले लिया।

शिकायत में इस गैरकानूनी कृत्य को क्रिकेट समुदाय के लिए गहरा आघात बताया गया है, जिससे भारतीय क्रिकेट प्रेमियों में व्यापक रोष व्याप्त है। शिकायतकर्ता ने दुबई पुलिस विभाग से मामले की त्वरित और निष्पक्ष जांच करने, दोषी व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करने तथा ट्रॉफी की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने का आग्रह किया है।

इस शिकायत की सूचना अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC), भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड (BCCI) और संबंधित

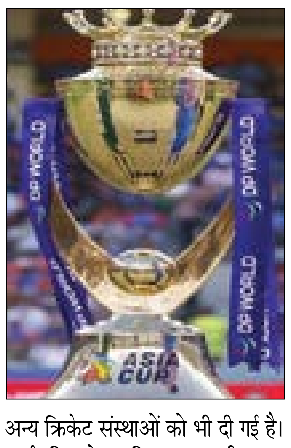

अन्य क्रिकेट संस्थाओं को भी दी गई है। दुबई पुलिस ने प्राप्त शिकायत का शीघ्र उत्तर देते हुए 48 कार्यघंटों में वापसी का भरोसा भेजा है। यह मामला न केवल खेल के नैतिक आदर्शों के उल्लंघन का प्रश्न है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर क्रिकेट की प्रतिष्ठा और खेलों में पारदर्शिता व जवाबदेही के सिद्धांतों की भी परीक्षा है। भारतीय क्रिकेट समर्थक संजय शर्मा के प्रयास और दुबई पुलिस की इस कार्रवाई से खुश हैं और उम्मीद करते हैं कि जल्द ही न्याय होगा।

महिला विश्व कप : जीत का खाता खोलने के इरादे से उतरेंगे न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका

इंदौर (एजेंसी)। न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका की टीमें सोमवार को जब महिला विश्व कप के मैच में आमने-सामने होंगी तो अपने शुरुआती मुकाबलों में मिली करारी हार की निराशा को भुलाकर जीत का खाता खोलने का प्रयास करेंगी। न्यूजीलैंड को जहां अपनी गेंदबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होती तो वहीं दक्षिण अफ्रीका की नजरें अपनी बल्लेबाजों की फॉर्म पर होगी।

न्यूजीलैंड को पहले मैच में गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 89 रन से शिकस्त झेलनी पड़ी तो वहीं दक्षिण अफ्रीका को इंग्लैंड ने 10 विकेट से रौंद दिया। दोनों ही मुकाबलों में हारने वाली टीम की बल्लेबाजों ने निराश किया। न्यूजीलैंड की गेंदबाजों ने हालांकि ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 22वें ओवर में पांच विकेट पर 128 रन करने के बावजूद उसे 326 रन बनाने दिए।

ऑस्ट्रेलिया की ऑलराउंडर एश्ले गार्डनर ने शानदार शतक जड़कर अपनी टीम की जीत सुनिश्चित की और कप्तान सोफी डिवाइन की 112 रन की पारी के बावजूद न्यूजीलैंड की टीम लक्ष्य के करीब भी नहीं पहुंच पाई। न्यूजीलैंड ने आखिरी

पांच विकेट केवल 19 रन पर गंवा दिए। दक्षिण अफ्रीका के मामले में यह एकतरफा मुकाबला रहा क्योंकि उनकी टीम 69 रन पर आउट हो गई और उसकी केवल एक खिलाड़ी दोहरे अंक तक पहुंच पाई। दक्षिण अफ्रीका को प्रतिस्पर्धी बनने के लिए लॉरा वोलवार्ट, ताजमिन ब्रिट्स, सुने लुस और मारिजैन कैप के बल्ले से बेहतर योगदान की उम्मीद होगी।

विश्व कप से पहले अपने आखिरी मैच में दक्षिण अफ्रीका की टीम पाकिस्तान से हार गई थी और सिर्फ 115 रन ही बना पाई थी जो बल्ले से उनकी लगातार नाकामी को दर्शाता है। हालांकि कागजों पर न्यूजीलैंड प्रबल दावेदार है क्योंकि उनके पास गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों में बेहतर क्षमता है, विशेषकर स्पिन गेंदबाजी में जहां अमेलिया केर के 10 ओवर निर्णायक साबित होंगे। एक और पहलू यहां की परिस्थितियां हैं जिन्हें न्यूजीलैंड बेहतर समझता है क्योंकि वे इस मैदान पर अपना लगातार दूसरा मैच खेल रहे हैं। दक्षिण अफ्रीका गुवाहाटी से आएगा और उसकी बल्लेबाज एक अच्छी पिच पर बल्लेबाजी करना चाहेंगी जहां गेंद आसानी से बल्ले पर आती हो।

टीमें

न्यूजीलैंड = सोफी डिवाइन (कप्तान), सूजी बेट्स, ईडन कार्सन, फ्लोरा डेवोनशर, इजी गेज, मैडी ग्रीन, ब्रुक हॉलिडे, ब्री इलिंग, पॉली इंग्लिस, बेला जेम्स, मेली केर, जेस केर, रोजमेरी मायर, जॉर्जिया प्लिमर, लिया ताहुहु।

दक्षिण अफ्रीका = लॉरा वोलवार्ट (कप्तान), ताजमिन ब्रिट्स, एनेरी डर्कसेन, मारिजेन कैप, एनेके बॉश, सिनालो जाफ्टा (विकेटकीपर), क्लो ट्रायोजन, नादिन डि क्लार्क, अयाबोंगा खाका, मसाबाता क्लास, नॉनकुलुलेको म्लाबा, सुने लुस, तुमी सेखुखुने, नोंदुमिसो शंगासे और काराबो मेसो।

पेरीकार्ड ने शंघाई मास्टर्स में फिट्ज को हराकर किया उलटफेर

शंघाई । फ्रांस के जियोवानी म्पेतशी पेरीकार्ड ने चौथी रैंकिंग के खिलाड़ी टेलर फिट्ज को 6-4, 7-5 से हराकर रविवार को शंघाई मास्टर्स के चौथे दौर में प्रवेश किया। लंबे कद के पेरीकार्ड ने अमेरिका के खिलाड़ी के खिलाफ एक घंटे 25 मिनट में अपनी पहली जीत दर्ज की। पेरीकार्ड के सामने अंतिम 16 दौर में 10वें वरीय होल्गर रूने की चुनौती होगी। अन्य मैचों में रूने ने 21वें वरीय यूगो हम्बर्ट को 6-4, 6-4 से हराया जबकि जिजोयू बर्ग्स ने 19वें वरीय फ्रांसिस्को सेरुंडोलो को 7-6, 6-3 से मात दी। डेविड गोफिन के पहले सेट के दौरान जल्दी रिटायर होने के कारण 31वें वरीय गेब्रियल डियालो को वॉकओवर मिल गया।

विश्वकप 2027 है हमारा लक्ष्य : शुभमन

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के नये एकदिवसीय कप्तान बने शुभमन गिल ने कहा है कि उनका लक्ष्य विश्व कप 2027 है। शुभमन को ऑस्ट्रेलिया दौरे से ठीक पहले रोहित शर्मा की जगह पर एकदिवसीय प्रारुप की कप्तानी सौंपी गयी है। जिससे ये युवा बल्लेबाज बेहद उत्साहित है। इससे पहले उन्हें टेस्ट कप्तान बनाया गया था। एकदिवसीय प्रारुप की कप्तानी मिलने के बाद शुभमन ने कहा कि 2027 विश्वकप से पहले टीम को कुल 20 एकदिवसीय मैच खेलने को मिलेंगे। इसमें टीम अपने प्रदर्शन को निखारने पर ध्यान देगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक वीडियो में शुभमन ने कहा, 'अपने देश की एकदिवसीय में कप्तानी करना एक बड़ा सम्मान है, जिससे वह गर्व का अनुभव कर रहे हैं। उन्हें उम्मीद है कि वह बेहतर प्रदर्शन कर पायेंगे।' इस बल्लेबाज ने आगे कहा, 'दक्षिण अफ्रीका में विश्व कप खेलने से पहले हमारे पास करीब 20 एकदिवसीय मैच हैं, जिसमें हमारे पास प्रदर्शन सुधारने का अच्छा अवसर है। साथ ही कहा कि हम जो भी खेलेंगे और जिन खिलाड़ियों के साथ भी खेलेंगे, वे विश्व कप से पहले एक शानदार सत्र खेलने का पूरा प्रयास करेंगे। ऐसे में खिताब के लिए दक्षिण अफ्रीका जाने से पहले हम पूरी तरह से लय में रहेंगे।' वहीं दूसरी ओर रोहित को अचानक ही कप्तानी से हटाए जाने पर हरभजन सिंह सहित कई दिग्गज क्रिकेटर्स ने नाराजगी जतायी है। उनका कहना है कि छह महीने पहले ही रोहित की कप्तानी में टीम ने आईसीसी चैंम्पयंस ट्रॉफी जीती थी। ऐसे में उन्हें कप्तानी से नहीं हटाया जाना चाहिये था। उन्हें ऑस्ट्रेलिया दौरे तक तो कप्तान बनाया जाना चाहिये था।

विदर्भ ने तीसरी बार जीती ईरानी ट्रॉफी, फाइनल में शेष भारत को बड़े अंतर से हराया

नागपुर (एजेंसी)। हर्ष दुबे (चार विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत विदर्भ ने रविवार को शेष भारत को 93 रनों से हराकर तीसरी बार ईरानी ट्रॉफी का खिताब जीता। शेष भारत ने कल के दो विकेट पर 30 रन से आगे खेलना शुरु किया। सुबह के सत्र में शेष भारत ने अपना तीसरा विकेट कप्तान रजत पाटीदार (10) का विकेट 28 रन जोड़कर गंवा दिया। उन्हें आदित्य ठाकरे ने अपनी ही गेंद पर आउट किया। इसके बाद दर्शन नालकंडे ने ऋतुराज गायकवाड़ (सात) को आउटकर पवेलियन भेज दिया।

यश ढुल ने इशान किशन के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। 26वें ओवर में हर्ष दुबे ने इशान किशन (35) को आउटकर शेष भारत की मैच जीतने की उम्मीद को झटका दिया। सारांश जैन और यश ढुल के बीच छठे

विकेट के लिए 53 रनों की साझेदारी हुई। पार्थ रेखड़े ने सारांश जैन (29) को पगबाधा आउटकर विदर्भ को छठी सफलता दिलाई। इसके बाद यश ठाकुर ने यश ढुल को भी आउटकर पवेलियन भेज दिया। यश ढुल ने शेष भारत के लिए सबसे अधिक 92 रनों की पारी खेली। उन्होंने अपनी इस पारी में 117 गेंदों में आठ चौके और एक छक्का लगाया।

अंशुल कम्बोज (तीन) और आकाश दीप (शून्य) पर आउट हुये। 74वें ओवर की पांचवीं गेंद पर हर्ष दुबे ने गुरनूर बरार (सात) को आउटकर 267 के स्कोर पर शेष भारत की दूसरी पारी का अंत करते हुए 93 रनों से मुकाबला जीत लिया। विदर्भ के लिए हर्ष दुबे ने चार विकेट लिये। आदित्य ठाकरे और यश ठाकुर को दो-दो विकेट मिले। पार्थ रेखड़े और दर्शन नलकंडे ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले विदर्भ ने पहली पारी में 342 रन तथा दूसरी पारी में 232 रन का स्कोर किया। शेष भारत ने पहली पारी में 214 रन बनाये थे और उसे दूसरी में जीत के लिए 361 रनों का लक्ष्य मिला था। उल्लेखनीय है कि इससे पहले विदर्भ ने वर्ष 2017-18 और 2018-19 में दो बार ईरानी ट्रॉफी का खिताब जीता है। अभी तक खेले 63 फाइनल मैचों में शेष भारत 31वीं बार उपविजेता रहा है।

बहन की शादी में भी शामिल नहीं हो पाये अभिषेक

लुधियाना । आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा भारत ए टीम की ओर से खेलने के कारण अपनी बहन की शादी में भी शामिल नहीं हो पाये। हाल ही में अभिषेक की बहन कोमल की शादी कारोबारी लोविश ओबरॉय के साथ हुई थी। ऑस्ट्रेलिया ए टीम के खिलाफ जारी सीरीज को देखते हुए अभिषेक को कानपुर जाना पड़ा था और इसी कारण वह बहन की शादी में शामिल नहीं हो सके। अभिषेक ने जिस प्रकार देश के लिए इतना बड़ा फैसला लिया। उसके लिए उनकी प्रशंसा भी हो रही है। देश के लिए उनके समर्पण से प्रशंसक बेहद प्रभावित हैं।, जिसके बाद से ही हर तरफ उनकी तारीफ हो रही है। अभिषेक 30 सितंबर को शुगन की रस्म में ही शामिल हुए थे। इस समारोह में अभिषेक के साथ उनके गुरु और पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह सहित कई क्रिकेटर भी शामिल हुए थे। शगुन समारोह के बाद ही अभिषेक सीधे ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ सीरीज के लिए कानपुर के लिए रवाना हो गए थे।

सैमसन अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शायद ही नजर आयें

-बोर्ड की भविष्य की योजनाओं का हिस्सा नहीं

मुम्बई । ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए टीम चयन में एक बार फिर अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन की उपेक्षा हुई है। सैमसन को इस दौरे के लिए टीम में जगह नहीं मिली है। उनकी जगह पर चयनकर्ताओं ने युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल को प्राथमिकता दी है। चयनसमिति ने उन्हें बैकअप विकेटकीपर के तौर पर भी शामिल नहीं किया है। इससे साफ है कि अब सैमसन भविष्य की योजनाओं का हिस्सा नहीं हैं और उनका अंतरराष्ट्रीय कैरियर समाप्त होने की ओर है। चयन समिति के फैसले से सभी को हैरानी इस लिए भी हुई है क्योंकि सैमसन ने दक्षिण अफ्रीका दौरे पर खेले गये अपने अंतिम एकदिवसीय मैच में शतक लगाया था। इसके बाद भी उनके नाम पर विचार नहीं हुआ। वहीं इससे पहले चैंपियंस ट्रॉफी में भी उन्हें जगह नहीं मिली थी। तब केएल राहुल मुख?य विकेटकीपर जबकि ऋषभ पंत इस टीम में वैकल्पिक विकेटकीपर थे। यही कारण है कि इस आईसीसी इवेंट में सैमसन को जगह नहीं मिली थी। वहीं अभी ऋषभ चोटिल होने के कारण बाहर हैं। ऐसे में राहुल के विकल?प के तौर पर सैमसन नहीं बल्कि जुरेल को रखा गया है। अजीत अगरकर के नेतृत?व वाली भारतीय चयनसमिति ने सैमसन की जगह पर जुरेल को रखे जाने पर कहा कि जुरैल मध्य क्रम खेलते हैं जिसमें हमें बल्लेबाज की जरुरत थी जबकि सैमसन शीर्ष क्रम में खेलते हैं जिसमें पहले ही कई बल्लेबाज अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। यहा कारण है कि दूसरे विकेटकीपर के तौर पर जुरैल को अवसर दिया गया हैं। इससे साफ है कि अब सैमसन भविष्य की योजनाओं का हिस्सा नहीं हैं और उनका अंतरराष्ट्रीय कैरियर समाप्त होने की ओर है।

विराट और रोहित का क्या होगा भविष्य? 2027 वर्ल्ड कप के लिए टीम इंडिया में हुआ बड़ा बदलाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। दोनों खिलाड़ियों ने आईपीएल 2025 के बाद से कोई प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला है, जिसके चलते फैन्स उनकी मैदान पर वापसी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यह इंतजार 19 अक्टूबर को खत्म होगा, जब भारत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहला वनडे मुकाबला खेलेगा।

रोहित से छीनी गई कप्तानी

बड़ी खबर यह है कि रोहित शर्मा अब वनडे टीम की कप्तानी नहीं करेंगे और इस सीरीज में बतौर विशेषज्ञ बल्लेबाज खेलेंगे। उनकी जगह शुभमन गिल को टेस्ट के बाद वनडे टीम का नया कप्तान नियुक्त किया गया है। अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति के इस फैसले ने क्रिकेट प्रशंसकों को हैरान कर दिया है। फैन्स सवाल उठा रहे हैं कि शानदार कप्तानी रिकॉर्ड के बावजूद रोहित से कप्तानी क्यों छीनी गई, जिन्होंने हाल ही में आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 में भारत को खिताब दिलाया था।

टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, बीसीसीआई और टीम प्रबंधन ने 2027 वनडे वर्ल्ड कप को ध्यान में रखते हुए दीर्घकालिक रणनीति तैयार की है। इस दौरान यह सहमति बनी कि शुभमन गिल को वनडे कप्तान बनाया जाए। इस बदलाव की सबसे बड़ी चुनौती रोहित शर्मा को मनाना था, जिनका कप्तानी रिकॉर्ड शानदार रहा है।

मैदान से दूरी रही रोहित के खिलाफ

बीसीसीआई अधिकारियों का मानना है कि अगला वनडे वर्ल्ड कप दो साल बाद है और रोहित शर्मा केवल वनडे फॉर्मेट में खेलते हैं, जिसके कारण उन्हें पर्याप्त मैच अभ्यास नहीं मिलता। रोहित ने सभी फिटनेस मानक पूरे किए हैं, लेकिन हाल में क्रिकेट से उनकी दूरी उनके खिलाफ गई। चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी ओर इशारा करते हुए कहा कि रोहित का सीमित क्रिकेटिंग एक्शन चयन समिति के फैसले का एक कारण रहा।

रोहित ने आखिरी बार आईपीएल 2025 में मुंबई इंडियंस के लिए प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेला था, जबकि उनका पिछला अंतरराष्ट्रीय मैच आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 में था। शुरुआत में बीसीसीआई के भीतर कप्तानी बदलाव को लेकर मतभेद थे, लेकिन ऑस्ट्रेलिया दौरे के नजदीक आने पर इस बदलाव के पक्ष में सहमति बन गई।

विराट कोहली की स्थिति भी समान

रिपोर्ट में बताया गया कि विराट कोहली की स्थिति भी रोहित शर्मा जैसी है, क्योंकि दोनों खिलाड़ी इस समय केवल वनडे क्रिकेट खेल रहे हैं। रोहित 38 वर्ष के हैं, जबकि विराट 36 साल के हैं। बीसीसीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ÷अगर हम बदलाव को और टालते हैं, तो यह और जटिल हो जाएगा। दो खिलाड़ियों में से एक 38 और दूसरा 36 साल का है। युवा खिलाड़ियों पर दांव लगाना अपेक्षाकृत सुरक्षित विकल्प है, क्योंकि वे फॉर्म या फिटनेस खो सकते हैं, लेकिन भविष्य के लिए यह जरूरी है।÷

अगरकर का बयान: 2027 वर्ल्ड कप के लिए कोई गारंटी नहीं

अजीत अगरकर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्पष्ट किया कि रोहित शर्मा और विराट कोहली ने 2027 वनडे वर्ल्ड कप के लिए प्रतिबद्धता नहीं दिखाई है। उन्होंने कहा कि बीसीसीआई की नीति के अनुसार, टीम में चयन के लिए घरेलू क्रिकेट खेलना अनिवार्य होगा। अब यह देखना होगा कि रोहित और विराट विजय हजारे ट्रॉफी जैसे घरेलू वनडे टूर्नामेंट में हिस्सा लेते हैं या नहीं। अगर बीसीसीआई घरेलू क्रिकेट खेलने का दबाव बढ़ाती है, तो दोनों खिलाड़ी निकट भविष्य में बड़ा फैसला ले सकते हैं।

आकाश चोपड़ा की राय

पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा का मानना है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास नहीं लेना चाहिए था, क्योंकि इससे उन्हें पर्याप्त गेम टाइम मिलता। चोपड़ा ने कहा, 'रोहित और कोहली को अब लगातार रन बनाने होंगे, वरना कोई और उनकी जगह ले सकता है।'

बीसीसीआई की नजर भविष्य पर

बीसीसीआई अब 2027 वनडे वर्ल्ड कप को ध्यान में रखते हुए युवा खिलाड़ियों के इर्द-गिर्द टीम तैयार करना चाहती है। शुभमन गिल की कप्तानी इसी रणनीति का हिस्सा है। रोहित शर्मा और विराट कोहली भारतीय क्रिकेट के दो बड़े सितारे हैं, लेकिन चयन समिति ने संकेत दे दिया है कि अब भविष्य की ओर देखने का समय है। यह बदलाव

प्रशंसकों के लिए भावनात्मक रूप से कठिन हो सकता है, लेकिन यह भारतीय क्रिकेट में एक नई शुरुआत का संकेत भी है।

सैयारा के बाद अहान पांडे के हाथ लगी यशराज की फिल्म!

अहान पांडे अपनी पहली ही फिल्म से सुपरस्टार बन गए हैं। मोहित सूरी के निर्देशन में बनी सैयारा ने उन्हें उस पायदान पर पहुंचा दिया, जिसके लिए तमाम सितारों को कई वर्ष संघर्ष करना पड़ता है। इन दिनों अहान की अगली फिल्मों को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि अहान ने यशराज फिल्म्स की अगली मूवी साइन कर ली है। हालांकि, आधिकारिक तौर पर ऐसी पुष्टि अभी तक नहीं हुई है। दूसरी तरफ हाल ही में अहान को संजय लीला भंसाली के दफ्तर के बाहर स्पॉट किया गया है।

यशराज फिल्म्स के दूसरे प्रोजेक्ट में एंट्री

अहान पांडे की अगली फिल्म का दर्शक बेकरारी से इंतजार कर रहे हैं और उनके आगामी प्रोजेक्ट्स पर अपडेट चाहते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक अहान पांडे ने सैयारा के बाद [illegible] की दूसरी फिल्म साइन की है, जो एक्शन रोमांस फिल्म बताई जा रही है। इस फिल्म के निर्देशन की कमान अली अब्बास जफर संभालेंगे। हालांकि, इसे लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। देखना दिलचस्प होगा कि क्या वाकई अहान के हाथ यशराज फिल्म्स की अगली फिल्म लग गई है? या यह महज अफवाह है। इसके अलावा फिल्मी गलियारों में सुगबुगाहट यह भी शुरू हो गई है कि अहान नामी निर्माता-निर्देशक संजय लीला भंसाली की अगली फिल्म में नजर आ सकते हैं। दरअसल, हाल ही में अहान को भंसाली के दफ्तर के बाहर स्पॉट किया गया। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

अहान के फैंस हुए क्रेजी

अहान पांडे के फैंस क्रेजी हो रहे हैं कि क्या वे भंसाली के साथ फिल्म करने वाले हैं? नेटिजन्स लिख रहे हैं, अहान और भंसाली...अगर वाकई दोनों साथ आते हैं तो कुछ धमाल होगा। एक यूजर ने लिखा, अगर अहान और संजय लीला भंसाली साथ काम करते हैं तो यह एक बड़ी डील होगी।

होमबाउंड फिल्म देखकर अनीत ने साझा की भावनाएं

ईशान-जान्हवी को लेकर कहा

बॉलीवुड की उभरती हुई अभिनेत्री अनीत पड्डा ने हाल ही में फिल्म होमबाउंड देखने के बाद अपने भावनाओं को साझा किया। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर अपने अनुभव को खुलकर लिखा और बताया कि वो फिल्म देखने के बाद काफी भावुक हो गईं।

अनीत ने इंस्टाग्राम पर अपनी स्टोरी में लिखा कि फिल्म को निर्देशक नीरज घेवान ने जिस संवेदनशीलता और धैर्य के साथ पेश किया, वो अद्वितीय है। उन्होंने बताया कि निर्देशक ने कहानी को बेहद नाजुक, लेकिन मजबूत तरीके से प्रस्तुत किया। अभिनेत्री ने यह भी कहा कि जिस तरीके से नीरज ने किरदारों को समझा और उनके भावों को पर्दे पर उतारा, वह फिल्म को देखने के अनुभव को लंबे समय तक जीवंत बनाए रखता है।

कलाकारों की भी तारीफ

फिल्म में ईशान खट्टर, जान्हवी कपूर और विशाल जेठवा नजर आ रहे हैं। फिल्म भले ही बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास प्रदर्शन ना कर पा रही हो, लेकिन अनीत ने स्टारकास्ट के काम की सराहना करते हुए लिखा कि इन कलाकारों ने पूरी ईमानदारी और साहस के साथ निर्देशक की दृष्टि को पर्दे पर उतारा। उन्होंने बताया कि फिल्म के माध्यम से दर्शकों को अपने जीवन के अंशों से जुड़ाव महसूस हुआ और यह अनुभव बहुत ही व्यक्तिगत और संवेदनशील था।

करण जौहर को कहा धन्यवाद

अनीत पड्डा ने निर्माता करण जौहर का भी धन्यवाद किया और कहा कि उनकी फिल्म को दर्शकों तक पहुंचाने के लिए उन्होंने जो प्रयास किया, वह काबिल-ए-तारीफ है। उन्होंने कहा, मैं नम आंखों के साथ बाहर निकली, लेकिन काफी हल्कापन महसूस हुआ। इसके लिए धन्यवाद।

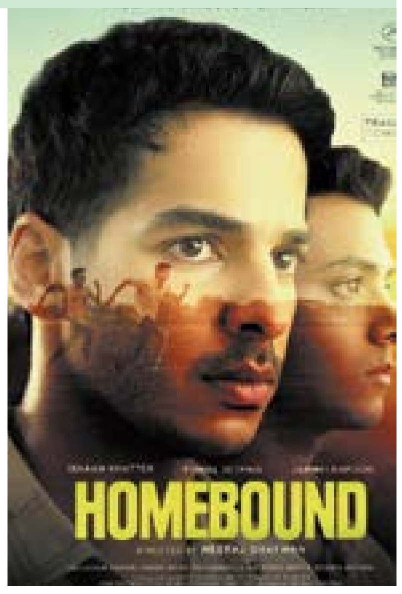

फिल्म की कहानी

होमबाउंड में ईशान का किरदार शोएब और विशाल का किरदार चंदन मापूर की पृष्ठभूमि में अपनी महत्वाकांक्षाओं, सामाजिक पूर्वाग्रहों और दोस्ती की कसौटी पर खड़े उतरते है या नहीं, यही दिखाया गया है। कहानी में दोनों के व्यक्तिगत और पेशेवर संघर्ष दिखाए गए हैं, जो उनके सपनों और रिश्तों को चुनौती देते हैं। चंदन पुलिस की परीक्षा में सफल हो जाता है, जबकि शोएब असफल हो जाता है, जिससे उनकी दोस्ती पर असर पड़ता है।

फिल्म को मिली अंतरराष्ट्रीय मान्यता

फिल्म को धर्मा प्रोडक्शन्स के तहत निर्मित किया गया और इसे भारत की आधिकारिक प्रविष्टि 2026 ऑस्कर के लिए चुना गया। इसके अलावा फिल्म ने कान फिल्म फेस्टिवल में प्रीमियर कर अपनी कला का लोहा मनवाया।

क्या साथ काम करने वाले हैं करण जौहर और मलाइका अरोड़ा?

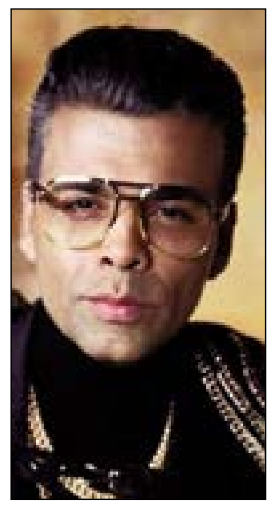

फिल्म निर्माता-निर्देशक करण जौहर और एक्ट्रेस-मॉडल मलाइका अरोड़ा साथ काम करने वाले हैं। किसी आगामी प्रोजेक्ट में दोनों के बीच साझेदारी हुई है। दरअसल, इस तरह के दावे उस टीजर वीडियो की रिलीज के बाद किए जा रहे हैं, जो आज बुधवार को करण जौहर ने अपने सोशल मीडिया एकाउंट से शेयर किया है। करण जौहर ने इंस्टाग्राम अकाउंट से आज एक वीडियो शेयर किया है। इसमें वे और मलाइका फोन पर क्रिप्टिक अंदाज में बात कर रहे हैं, जिसमें कचिंग कचिंग की साउंड सुनाई दे रही है। करण जौहर ने बहुत ज्यादा डिटेल तो शेयर नहीं की हैं, मगर आने वाले दिनों में इससे जुड़ी अधिक जानकारी देने की बात करी है।

जल्द बताएंगे क्या है कचिंग?

वीडियो में करण जौहर फोन पर मलाइका से कहते हैं, हे मल्ला...कचिंग कचिंग कचिंग। उधर से मलाइका कहती हैं, कचिंग कचिंग। इसके बाद करण जौहर दर्शकों की तरफ देखते हुए कहते हैं, कचिंग के बारे में जानना चाहते हैं? तो बने रहिए साथ। उन्होंने कैप्शन में लिखा है, कचिंग! ये साउंड नहीं, टेकओवर है। इसके अलावा लिखा है, बिग आइडिया बिग मनी।

मैं मौजूदा स्थिति को चुनौती देने से कभी नहीं डरी

हाल ही में आईएमडीबी की पिछले 25 वर्षों में भारतीय सिनेमा की सबसे अधिक चर्चित हस्तियों की सूची जारी हुई थी। बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने इसमें टॉप पांच में जगह बनाई थी। दीपिका ने कहा कि उन्हें अक्सर बताया जाता था कि एक महिला के रूप में उन्हें अपने करियर की राह कैसे तय करनी चाहिए, लेकिन वह कभी भी मौजूदा स्थिति को चुनौती देने से नहीं डरीं। इस सूची में शाहरुख खान पहले स्थान पर रहे, आमिर खान और ऋतिक रोशन दूसरे स्थान पर रहे, और दीपिका पादुकोण तीसरे स्थान पर रहीं। दीपिका पादुकोण ने एक इंटरव्यू में कहा, जब मैंने अपना सफर शुरू किया था, तो मुझे अक्सर बताया जाता था कि सफल होने के लिए एक महिला को अपना करियर कैसे तय करना चाहिए या उससे क्या अपेक्षा की जाती है। हालांकि, शुरू से ही मैं सवाल पूछने, लोगों को नाराज करने, मुश्किल रास्ते पर चलने और मौजूदा स्थिति को चुनौती देने से कभी नहीं डरी ताकि हम सभी से जिस ढांचे में ढलने की उम्मीद की जाती है, उसे नया रूप दे सकूं। इसके साथ ही दीपिका पादुकोण ने फैंस को उनके फैसलों के साथ खड़े रहने के लिए धन्यवाद भी कहा। दीपिका ने आगे कहा, मेरे परिवार, प्रशंसकों और सहयोगियों का मुझ पर जो भरोसा रहा, उसने मुझे अपने फैसले लेने और चुनने की हिम्मत दी है। मुझे उम्मीद है कि यह रास्ता आने वाली पीढ़ियों के लिए हमेशा बदलाव लाएगा। भारतीय सिनेमा के 25 सालों पर आईएमडीबी की रिपोर्ट इस विश्वास को मजबूत करती है कि ईमानदारी, प्रामाणिकता और लचीलापन महत्वपूर्ण हैं, और अपने मूल सिद्धांतों पर डटे रहकर बदलाव लाना संभव है। बता दें कि हाल ही में दीपिका पादुकोण को फिल्म कल्कि एडी 2898 से बाहर किया गया था। इसके बाद उन्होंने एक क्रिप्टिक पोस्ट में अपने फैसलों के साथ खड़े होने की बात कही थी। इससे पहले उन्हें संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म से भी हटाया गया था।

द ताज स्टोरी देखे बगैर दर्शक कोई राय न बनाएं

द ताज स्टोरी के नए पोस्टर को लेकर उठे विवाद पर फिल्म के निर्माता और दिग्गज अभिनेता परेश रावल ने आधिकारिक स्पष्टीकरण जारी किया है। परेश रावल के साथ जाकिर हुसैन, अमृता खानविलकर, स्नेहा वाघ और नमित दास अभिनीत यह फिल्म चर्चा में तब आई, जब हाल ही में जारी पोस्टर में परेश रावल को ताजमहल के गुंबद को हाथों में थामे दिखाया गया, जिसके भीतर शिवलिंग स्थापित था। सोशल मीडिया पर मचे बवाल के बाद मेकर्स ने स्थिति साफ करने का निर्णय लिया। गौरतलब है कि इससे पहले परेश रावल ने एक पोस्टर साझा किया था और कैप्शन में लिखा था- क्या हो, अगर अब तक आपको सिखाई गई हर बात झूठ हो? सच्चाई सिर्फ छिपी नहीं है, बल्कि उसका फैसला किया जा रहा है। द ताज स्टोरी के साथ 31 अक्टूबर को अपने नज़दीकी सिनेमाघरों में सच को उजागर करें।) स्वर्णिम ग्लोबल सर्विसेज प्रा. लि. और सीए सुरेश झा द्वारा प्रस्तुत द ताज स्टोरी, जिसे तुषार अमरीश गोयल ने लिखा और निर्देशित किया है, में परेश रावल मुख्य भूमिका निभा रहे हैं।

ओटीटी से फिल्म इंडस्ट्री में सभी को फायदा हुआ है

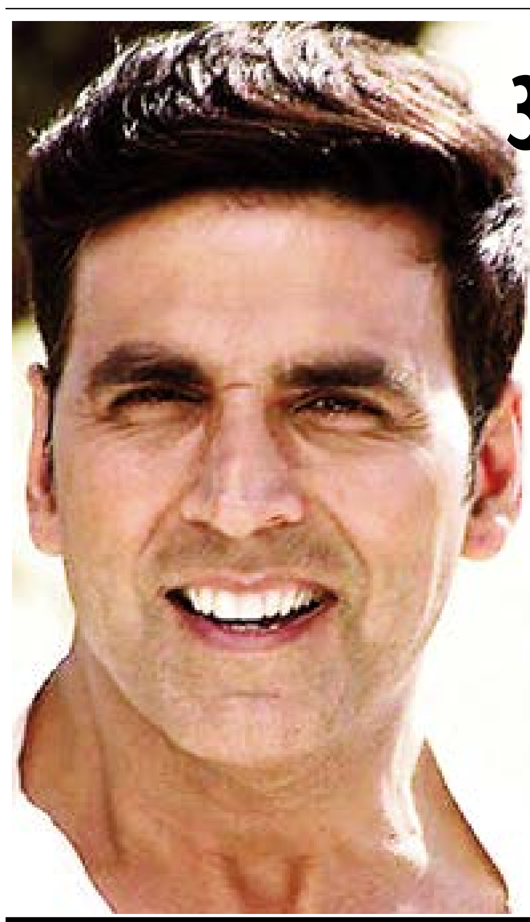

ओटीटी के आने से फिल्मों की कमाई पर असर बड़ा है, पिछले काफी वक्त से यह एक बहस का मुद्दा बना हुआ है। अभिनेता आमिर खान का ऐसा मानना है कि थिएटर रिलीज के छह महीने बाद फिल्मों को ओटीटी पर आना चाहिए। उनका मानना है कि आजकल जो 2 महीने या आठ हफ्ते के बाद ही फिल्मों के ओटीटी पर आने से कमाई पर असर पड़ता है। अब अभिनेता अक्षय कुमार ने आमिर के इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए आमिर की बात से असहमति जताई है। साथ ही अक्षय ने आमिर के बयान पर तंज भी कसा है।

तीन महीने का अंतराल ठीक है

बातचीत के दौरान अक्षय ने इस मुद्दे पर बात की। उन्होंने कहा कि मेरे हिसाब से तीन महीने का फासला ठीक है। छह महीने बहुत लंबा समय है क्योंकि आखिरकार, ओटीटी प्लेटफ़ॉर्म आपको डिजिटल अधिकारों के लिए भुगतान कर रहा है। उन्हें भी इस सौदे से लाभ मिलना चाहिए। इस पूरी व्यवस्था को महामारी से पहले की स्थिति में वापस जाना चाहिए, जब सिनेमाघर और ओटीटी प्लेटफॉर्म दोनों एक साथ मौजूद थे और अच्छे से साथ-साथ चलते थे।

इस दौरान अक्षय ने दावा किया कि निर्माताओं, जिनमें वो भी शामिल हैं, को ओटीटी प्लेटफॉर्म के साथ निष्पक्ष व्यवहार करना चाहिए। साथ ही अपनी फिल्मों के कंटेंट को लेकर भी सचेत रहना चाहिए। इसी दौरान आमिर के बयान पर इशारों-इशारों में ताना मारते हुए अक्षय ने कहा, 'जब डिजिटल राइट्स की बिक्री की बात आती है, तो निर्माता खुशी-खुशी ओटीटी प्लेटफॉर्म से पैसा ले लेते हैं। लेकिन जब हम चाहते हैं, तो हम आसानी से कह देते हैं कि हमारी फिल्में ओटीटी की वजह से नहीं चल रही हैं। हम यह नहीं सोचते कि शायद हम सही फिल्में नहीं बना रहे हैं।' हालांकि, अक्षय ने यहां आमिर या किसी का भी नाम नहीं लिया। लेकिन यह बयान आमिर के बयान पर प्रतिक्रिया जरूर मालूम पड़ता है।

मुझे फिल्में बनाने के अलावा कुछ नहीं आता

अक्षय ने यह भी स्वीकार किया कि वह अपनी फिल्मों के लिए प्रतिभाओं की तलाश में भी काफी ओटीटी कंटेंट देखते हैं। उनका मानना है कि ओटीटी के आने फिल्म इंडस्ट्री में सभी को फायदा हुआ है। अक्षय ने कहा कि मेरे पास फिल्में बनाने के अलावा कोई और काम नहीं है। चूंकि मैं पढ़ा-लिखा नहीं हूं, इसलिए मैं सिर्फ फिल्में ही बनाता हूं। इसलिए मुझे ओटीटी देखने के लिए काफी समय मिलता है।

ओटीटी पर जल्द फिल्मों के लाने के खिलाफ हैं आमिर

आमिर खान अक्सर ओटीटी को फिल्मों के बॉक्स ऑफिस पर न चलने की एक वजह मानते हैं। कुछ दिनों पहले उन्होंने कहा था कि जब लोगों को फिल्मों के रिलीज के कुछ ही वक्त बाद घर बैठे फिल्म देखने को मिल जाएगी, तो वो क्यों सिनेमाघरों में जाएंगे।

हालांकि, आमिर का ये भी कहना है कि ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के खिलाफ नहीं हैं। हाल ही में आमिर ने अपनी फिल्म 'सितारे जमीन पर' को भी थिएटर्स के बाद किसी ओटीटी पर नहीं रिलीज किया। बल्कि उन्होंने यूट्यूब पर फिल्म को पे-पर-व्यू मॉडल के तहत लाया।

वलसाड में आरएसएस का विजयादशमी उत्सव, शताब्दी वर्ष समारोह मनाया गया

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, वलसाड 05 अक्टूबर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में विजयादशमी से देशभर में शताब्दी वर्ष समारोह की शुरुआत की है। 1925 में स्थापित संघ 2025 में 100 वर्ष पूरे करेगा, जिसके तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। विजयादशमी उत्सव के अवसर पर, वलसाड नगर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने दशहरे के दिन शहर में अनुशासित तरीके से तारियावाड़ सती माता मंदिर से हालर पादरदेवी माता मंदिर तक पथ संचलन का आयोजन किया। पथ संचलन का पूरे शहर में पुष्प वर्षा के साथ भव्य स्वागत किया गया। 05 अक्टूबर को तड़केश्वर मंदिर अब्रामा में एक सार्वजनिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अनुशासित, गणवेशधारी स्वयंसेवकों ने दंड युद्ध, नियुद्ध, सूर्यनमस्कार व्यायाम योग और सामूहिक समता, घोष जैसे शारीरिक कार्यक्रम किए। कार्यक्रम के अंतर्गत अतिथियों एवं स्वयंसेवकों ने शस्त्र पूजन किया।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. देवांग देसाई उपस्थित रहे और उन्होंने प्रेरक भाषण दिया। तत्पश्चात मुख्य भाषण आरएसएस के नवसारी विभाग प्रचारक मुकुंद जोगिया ने दिया। उन्होंने कहा कि संघ के 100 वर्ष पूरे होने के शताब्दी वर्ष समारोह के दौरान आने वाले समय में स्वयंसेवक घर-घर जाकर आरएसएस परिवार प्रचार, सामाजिक समरसता, पर्यावरण, स्वावलंबन और नागरिक कर्तव्य जैसे पांच विषयों पर समझ प्रदान करेंगे। धन्यवाद ज्ञापन नगर कार्यवाह कृणाल पंड्या ने किया तथा कार्यक्रम के बाद कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न स्टॉलों में पर्यावरण जागरूकता एवं सेवा विभाग की प्रदर्शनी लगाई गई थी। जिसमें मैं एआई स्वयंसेवक हूँ कार्य लोगों के लिए रोचक रहा। इस उत्सव में बड़ी संख्या में स्वयंसेवक एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। अंत में माँ भारती को शिखर पर ले जाने के संकल्प के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

दादरा नगर हवेली और दमण-दीव में परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण 2024 के परिणामों पर आधारित प्रसार कार्यशाला का सफल आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 05 अक्टूबर। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण एवं दीव में परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण 2024 के निष्कर्षों के प्रसार हेतु यूटी/जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन 4 अक्टूबर 2025 को शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मसाट, सिलवासा में सफलतापूर्वक किया गया। इस कार्यशाला में संघ प्रदेश के विभिन्न विद्यालयों से लगभग 100 प्रधानाध्यापक, शिक्षक, ब्लॉक संसाधन समन्वयक तथा क्लस्टर संसाधन समन्वयक ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण 2024 के परिणामों का गहन विश्लेषण, शिक्षण-अधिगम प्रक्रियाओं में सुधार तथा विद्यालय स्तर पर सीखने की गुणवत्ता बढ़ाने की रणनीति तैयार करना था। कार्यशाला की मुख्य संसाधन व्यक्ति परख, नई दिल्ली से पधारी मनी सोलंकी रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ जयेश भंडारी (शिक्षा अधिकारी - प्राथमिक शिक्षा, दादरा नगर हवेली) तथा डॉ. सतीश पटेल (जिला परियोजना समन्वयक, डीएनएच) द्वारा संसाधन व्यक्ति के स्वागत एवं अभिनंदन से हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत परख की प्रमुख डॉ. इंद्राणी भदुरी के प्रेरक वीडियो संदेश से हुई। उन्होंने शिक्षा विभाग, डाइट दमण एवं समग्र शिक्षा टीम को परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण 2024 के सफल आयोजन तथा परिणामों के प्रभावी प्रसार के लिए बधाई दी। अपने संदेश में उन्होंने वृहद मूल्यांकन प्रणाली, बोर्ड समकक्षता और समग्र प्रगति पत्र की अवधारणा पर विस्तार से जानकारी दी। जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों के अनुरूप है। इसके पश्चात मनी सोलंकी ने तकनीकी सत्र का संचालन किया। उन्होंने परख की दक्षता-आधारित मूल्यांकन प्रणाली, परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण 2024 के उद्देश्य, पद्धति एवं आंकड़ों के विश्लेषण पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने दादरा एवं नगर हवेली तथा दमण एवं दीव के संघ प्रदेश, जिला और ब्लॉक स्तर के परिणाम, कक्षा-वार एवं विषय-वार दक्षता स्तर तथा छात्रों की सीखने की प्रवृत्तियों का विस्तृत विश्लेषण प्रस्तुत किया। दोपहर के सत्र में प्रतिभागियों ने समूह गतिविधियों के माध्यम से लर्निंग गएप्स की पहचान, विद्यालय स्तर पर सुधार की रणनीतियाँ तथा ब्लॉक एवं क्लस्टर स्तर पर कार्ययोजना एक्शन प्लान तैयार करने पर विचार-विमर्श किया। प्रत्येक समूह ने अपने निष्कर्ष एवं सुझाव प्रस्तुत किए, जिन्हें आगामी शैक्षिक योजनाओं में शामिल करने की अनुशंसा की गई। प्रतिभागियों ने इस कार्यशाला को अत्यंत उपयोगी एवं प्रेरणादायक बताया। उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला से उन्हें अपने विद्यालयों में शिक्षण-अधिगम की गुणवत्ता सुधारने, छात्रों की सीखने की स्थिति को समझने और परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण 2024 के परिणामों को व्यावहारिक रूप में लागू करने में सहायता मिलेगी। कार्यक्रम के समापन सत्र में रोहित शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। उन्होंने परख नई दिल्ली की टीम और संसाधन व्यक्ति मनी सोलंकी का हार्दिक आभार व्यक्त किया, जिन्होंने शिक्षण-अधिगम गुणवत्ता सुधार हेतु उपयोगी दिशा-निर्देश प्रदान किए। उन्होंने विशेष रूप से जतिन गोयल, निदेशक (शिक्षा), दादरा एवं नगर हवेली तथा दमण एवं दीव को उनके प्रेरक नेतृत्व और सतत मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद दिया। साथ ही उन्होंने शिक्षा निदेशालय, अभी शिक्षा अधिकारी एवं प्राचार्य, डाइट दमण एवं समग्र शिक्षा टीम को भी इस कार्यशाला के सफल आयोजन में उत्कृष्ट समन्वय एवं सहयोग के लिए सराहा एवं धन्यवाद दिया। कार्यशाला के आयोजन में ब्लॉक रिसोर्स को-ऑर्डिनेटर्स टीम ने कार्यशाला समन्वयक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह उल्लेखनीय है कि परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण 2024 के राष्ट्रीय परिणामों में दादरा एवं नगर हवेली तथा दमण एवं दीव ने देश के सभी राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों में पाँचवाँ स्थान (5वाँ रैंक) प्राप्त किया है, जो संघ प्रदेश के शिक्षकों, विद्यालयों और शिक्षा विभाग के समर्पित प्रयासों का परिणाम है। इस कार्यशाला के माध्यम से प्रतिभागियों ने संकल्प लिया कि परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण 2024 की रिपोर्ट से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर विद्यालयों में सीखने की गुणवत्ता बढ़ाने, छात्रों की दक्षताओं के आकलन को सुदृढ़ करने तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप मूल्यांकन सुधार की दिशा में ठोस कदम उठाने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे।

सिलवासा के क्लब हाउस में बिहार जन सेवा संघ दानह की हुई संगठनात्मक बैठक

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 05 अक्टूबर। प्रमुख गार्डन सोसायटी आमली सिलवासा के क्लब हाउस में आज बिहार जन सेवा संघ दादर नगर हवेली की संगठनात्मक बैठक आयोजित हुई। इस बैठक में अतुल प्रताप सिंह को बिहार जन सेवा संघ का अध्यक्ष नियुक्त किया गया, जिसकी घोषणा बिहार जन सेवा संघ के संस्थापक द्वारिकानाथ पांडे ने किया और सभी उपस्थित लोगों ने उनके नाम का समर्थन करतल ध्वनि से ताली बजाकर और हाथ उठाकर किया। अतुल प्रताप सिंह को अगले 2 वर्ष के लिए अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। बिहार जन सेवा संघ के संस्थापक द्वारिकानाथ पांडे ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले कमेटी का कार्यकाल पूर्ण हो गया था इसलिए नए अध्यक्ष का चुनाव किया गया। बिहार जन सेवा संघ हर 2 वर्ष पर नया अध्यक्ष का चुनाव करता है तथा कमेटी भी नहीं बनाई जाती है। बिहार जन सेवा संघ का उद्देश्य रहता है कि बिहार के हर प्रांत भाषा और जाति का बैलेंस करते हुए अध्यक्ष तथा कमेटी का चुनाव होता है और कोशिश रहती है कि हर समाज और क्षेत्र के लोगों को बारी-बारी से मौका मिले। इसी के तहत अतुल प्रताप सिंह बिहार के सिवान जिला के रहने वाले हैं और इनको इस वर्ष अध्यक्ष की जवाबदारी मिली है। अतुल प्रताप सिंह ने सभी के सामने संकल्प लिया कि अध्यक्ष के तौर पर मैं सभी को साथ में लेकर चलूंगा और ऐसा कार्य करूंगा जिससे समाज में प्रेम और बंधुता बनी रहेगी और समाज सेवा के लिए हमेशा आगे रहूंगा। आज के कार्यक्रम में बिहार के लगभग हर क्षेत्र के उद्योग धंधे, व्यवसाय तथा नौकरी पेशा के लोग शामिल थे। इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों ने भी संकल्प लिया कि हम सभी मिलजुलकर बिहार समाज के विकास के लिए बिहार जन सेवा संघ का सहयोग करेंगे। कार्यक्रम का संचालन धीरज सिंह ने किया।

घोघला में निःशुल्क आंख जांच कैंप का किया गया आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 05 अक्टूबर। निशव आई हॉस्पिटल ऊना, जायंट्स ग्रुप दीव और सिफा ऑप्टिकल घोघला केसहयोग से घोघला में आज एक निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें डॉ. हेमल होथी लुणागरिया एम.एस.एप्थेलमोलोजी ने मरीजों की निःशुल्क नेत्र जांच की। इस दौरान लगभग 80 मरीजों ने अपनी आंखों की जांच करवाई। इस शिविर को सफल बनाने में जायंट्स ग्रुप ऑफ दीव के अध्यक्ष जमनादास घेड़िया, कादर कुरैशी, जिग्नाबेन और सदस्यों, सिफा ऑप्टिकल के सदस्यों ने पूरा सहयोग किया।

71वें राष्ट्रीय वन्यजीव सप्ताह के उपलक्ष्य में दीव में प्रकृति शिक्षा शिविर का हुआ आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 05 अक्टूबर। 71वें राष्ट्रीय वन्यजीव सप्ताह 2025 के उपलक्ष्य में संघ प्रदेश थ्रीडी पर्यावरण एवं वन विभाग ने 4 और 5 अक्टूबर 2025 को दीव में दो दिवसीय प्रकृति शिक्षा शिविर का आयोजन किया। इस पहल का उद्देश्य वन्यजीव संरक्षण के बारे में जागरूकता पैदा करना, पारिस्थितिक अंतर्संबंधों की समझ को गहरा करना और प्रकृति संरक्षण गतिविधियों में युवाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करना था। इस शिविर में रिलायंस फाउंडेशन के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. वरद गिरि और उनकी विशेषज्ञ टीम ने भाग लिया, जिन्होंने वन्यजीव और पारिस्थितिकी से संबंधित विभिन्न विषयों पर ज्ञानवर्धक व्याख्यानों की एक श्रृंखला प्रस्तुत की। सत्रों में दैनिक जीवन में प्रकृति का महत्व, हर्पेटोफॉनल विविधता और उनका संरक्षण, शेरों की ऐतिहासिक सीमा गिरावट और पुनरुत्थान, और पक्षी विविधता और पारिस्थितिकी जैसे विषय शामिल थे। इन इंटरैक्टिव सत्रों ने प्रतिभागियों को जैव विविधता संरक्षण और पारिस्थितिक लचीलेपन पर बहुमूल्य वैज्ञानिक अंतर्दृष्टि प्रदान की। गवर्नमेंट कॉलेज दीव के छात्रों और नेचर क्लब दीव के सदस्यों सहित 20 से अधिक प्रतिभागियों ने शिविर में सक्रिय रूप से भाग लिया। विशेषज्ञ व्याख्यानों के साथ-साथ, प्रतिभागियों ने दीव के विविध आवासों की खोज, स्थानीय वनस्पतियों और जीवों को उनके प्राकृतिक परिवेश में देखने और तटीय, आर्द्रभूमि और वन पारिस्थितिकी प्रणालियों की पारिस्थितिक गतिशीलता को समझने के लिए क्षेत्र सत्रों में भाग लिया। कहानी सुनाने के सत्र, इंटरैक्टिव गेम और समूह चर्चा सहित आकर्षक शिविर गतिविधियों ने उनके सीखने के अनुभव और प्रकृति के साथ संबंध को और बढ़ाया। प्रकृति शिक्षा शिविर ने कक्षा के ज्ञान को क्षेत्र-आधारित शिक्षा के साथ सफलतापूर्वक मिश्रित किया। जिससे प्रतिभागियों को दीव की जैव विविधता की समृद्धि और संरक्षण के महत्व की सराहना करने की प्रेरणा मिली।

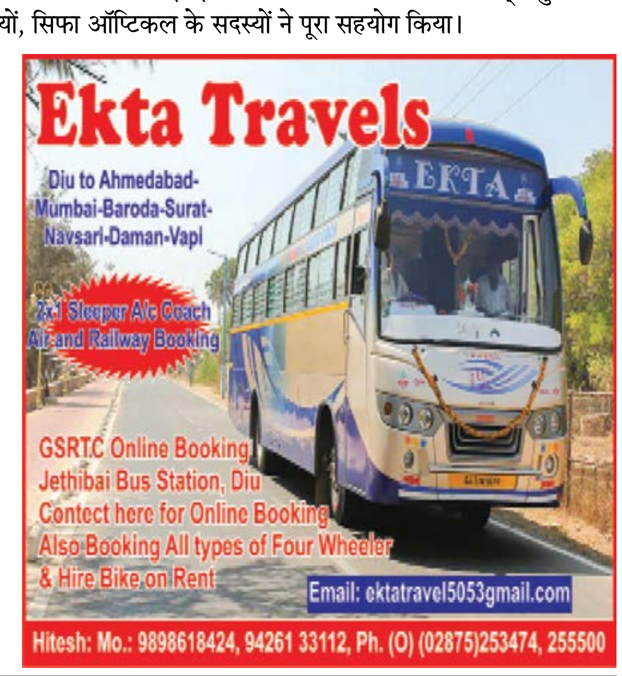

स्वामीः मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित।
(समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)